राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 70 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शनिवार 17 जनवरी 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट से जस्टिस यशवंत वर्मा को बड़ा झटका, अधजली नकदी मामले में संसदीय जांच रोकने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा को तगड़ा झटका दिया है। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को जस्टिस वर्मा की उस याचिका को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ चल रही संसदीय जांच समिति की वैधता को चुनौती दी थी। जस्टिस वर्मा पर कथित 'अधजली नकदी' मामले में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं, जिसकी जांच लोकसभा स्पीकर द्वारा गठित एक संसदीय पैनल कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब उनके खिलाफ चल रही जांच का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है।
जस्टिस वर्मा ने अपनी याचिका में तर्क दिया था कि लोकसभा स्पीकर द्वारा उनके खिलाफ आरोपों की जांच के लिए बनाई गई संसदीय समिति कानूनी रूप से वैध नहीं है। उन्होंने दलील दी थी कि इससे पहले राज्यसभा के उपसभापति उनके खिलाफ लाए गए महाभियोग (पद से हटाने) के प्रस्ताव को खारिज कर चुके हैं। जस्टिस वर्मा का कहना था कि जब एक सदन में प्रस्ताव गिर चुका है, तो उसी मामले में नए सिरे से जांच समिति का गठन करना नियमों के खिलाफ है। उन्होंने कोर्ट से इस समिति और उसकी कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की थी।

हिसार में टूटा 2 साल का रिकॉर्ड, 19 जनवरी तक स्कूल बंद

चंडीगढ़/हिसार। हरियाणा के अधिकांश जिलों में इन दिनों हाड़ कंपाने वाली ठंड पड़ रही है। कोहरे और शीतलहर के कारण मौसम विभाग ने पूरे प्रदेश में यलो अलर्ट जारी किया है। ठंड के इसी प्रकोप को देखते हुए हरियाणा सरकार ने स्कूलों की शीतकालीन छुट्टियां 2 दिन और बढ़ा दी हैं। अब राज्य के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूल सोमवार (19 जनवरी) को खुलेंगे। हिसार में जमा देने वाली ठंड हिसार में ठंड ने पिछले 2 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यहाँ न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया है। पिछले 15 वर्षों में यह पांचवीं बार है जब पारा इस स्तर तक नीचे गिरा है। अन्य शहरों की स्थिति भी चिंताजनक है- कैथल, कुरुक्षेत्र, करनाल और अंबाला में कोल्ड-डे जैसी स्थिति बनी हुई है। सोनीपत, पानीपत और फतेहाबाद सहित कई जिलों में सुबह के समय विजिबिलिटी शून्य दर्ज की गई, जिससे हाईवे पर वाहनों की रफ्तार थम गई है। पश्चिमी विक्षोभ का पूर्वानुमान हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसार, प्रदेश में दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने वाले हैं। 17-18 जनवरी- प्रदेश के कुछ हिस्सों में बूंदाबांदी की संभावना है, जिससे कोहरे में थोड़ी कमी आ सकती है। 19 जनवरी के बाद- राज्य के ज्यादातर स्थानों पर बारिश होने की संभावना जताई गई है, जिससे तापमान में और बदलाव आ सकता है।

आईएमएफ ने भारत की विकास दर का अनुमान बढ़ाने के दिए संकेत

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने संकेत दिया है कि वह भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान बढ़ा सकता है। इसकी वजह यह है कि हाल की तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर गति से बढ़ी है। इससे एक बार फिर साफ होता है कि वैश्विक विकास को आगे बढ़ाने में भारत की भूमिका बहुत अहम है। भारत की 2025 की आर्थिक वृद्धि को लेकर पूछे गए सवाल पर आईएमएफ की संचार विभाग की निदेशक जूली कोज़ैक ने कहा कि भारत ग्लोबल विस्तार को आगे बढ़ा रहा है, भले ही व्यापक अंतरराष्ट्रीय आर्थिक माहौल में अनिश्चितता छाई हुई हो। कोज़ैक ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, ऋहमने भारत में देखा है कि भारत दुनिया के लिए एक प्रमुख ग्रोथ इंजन है।ऋ आईएमएफ की हाल की समीक्षा में वित्त वर्ष 2025ङ्ग26 के लिए भारत की विकास दर 6.6 प्रतिशत आंकी गई थी। यह अनुमान देश के भीतर मजबूत खपत पर आधारित है। जूली कोज़ैक ने बताया कि बाद में आए नए आर्थिक आंकड़ों, खासकर तीसरी तिमाही के आंकड़ों ने आईएमएफ का भरोसा और मजबूत किया है। तीसरी तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि अनुमान से ज्यादा रही। इसी वजह से आईएमएफ को अब यह संभावना दिख रही है कि आने वाले समय में भारत की विकास दर के अनुमान को और ऊपर किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री की माताश्री हीराबेन मोदी की पुण्य स्मृति में आयोजित शिव महापुराण कथा में शामिल हुए मुख्यमंत्री

सनातन परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का सशक्त संगम है शिव पुराण: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि सनातन परंपरा और आध्यात्मिक आयोजनों से समाज में नैतिकता, संस्कार और सामाजिक समरसता को बल मिलता है। वे आज रायगढ़ जिले के बरगढ़ खोला अंचल के ग्राम-खम्हार में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा में को सम्बोधित कर रहे थे।

गौरतलब है कि इस कथा का आयोजन देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की माताश्री हीराबेन मोदी की पुण्य स्मृति में श्रद्धांजलि स्वरूप किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान शिव से प्रदेश की जनता के लिए सुख, समृद्धि के लिए कामना की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त बाल कथा व्यास श्री कृष्णा दुबे महाराज से भेंटकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह वही

भूमि है जहां प्रभु श्रीराम ने अपने वनवास काल का अधिकांश समय व्यतीत किया। माता शबरी के जूठे बेरों की महिमा आज भी जीवंत है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर छत्तीसगढ़ के सुगंधित चावल से बना प्रसाद अर्पित किया गया, जो राज्य के लिए गर्व का विषय है।

19 चिन्हित तीर्थ स्थलों की यात्रा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित रामलला दर्शन योजना के तहत अब तक दो वर्षों में 40 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या दर्शन कर चुके हैं। वहीं मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत 19 चिन्हित तीर्थ स्थलों की यात्रा कराते हुए अब तक 5 हजार से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को लाभान्वित किया गया है। कार्यक्रम को वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने भी संबोधित किया।

श्री शिव महापुराण कथा का वाचन अकोला (महाराष्ट्र) से पधारे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त बाल कथा व्यास श्री कृष्णा दुबे महाराज द्वारा संगीतमय शैली में किया जा रहा है, जिसमें भगवान शिव, माता पार्वती सहित संपूर्ण शिव चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया जा रहा है।

कार्यक्रम में लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया और श्रीमती कमलेश जांगड़े राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिखा गबेल, रायगढ़ के महापौर श्री जीवर्धन चौहान, नगर पालिका अध्यक्ष खरसिया श्री कमल गर्ग सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

पीएनबी घोटाले में ईडी का बड़ा दावा, मेहुल चोकसी का बेटा रोहन भी मनी लॉन्ड्रिंग में था सक्रिय

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब नेशनल बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने करीब आठ साल बाद पहली बार औपचारिक रूप से दावा किया है कि भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी का बेटा रोहन चोकसी भी मनी लॉन्ड्रिंग में सक्रिय रूप से शामिल था। यह दावा ईडी ने दिल्ली स्थित अपीलिय न्यायाधिकरण फॉर फॉरफिटेड प्रॉपर्टी (ॠ्रस्नक्क) के समक्ष अपनी लिखित दलीलों में किया है। दरअसल, रोहन चोकसी ने मुंबई स्थित एक संपत्ति की कुर्की को चुनौती दी थी। इसके जवाब में ईडी की कानूनी टीम ने ट्रिब्यूनल को बताया कि मुंबई के वॉकश्वर रोड स्थित एक फ्लैट वर्ष 2013 में जानबूझकर मेहुल चोकसी द्वारा अपने बेटे रोहन चोकसी के नाम ट्रांसफर किया गया था।

ईडी के अनुसार, यह कदम भविष्य में संभावित कानूनी कार्रवाई और संपत्ति की कुर्की से बचने के लिए अपनाई गई एक पूर्व नियोजित रणनीति का हिस्सा था। एजेंसी ने तर्क दिया कि जिस समय यह संपत्ति ट्रांसफर की गई, उस दौरान मेहुल चोकसी के कारोबारी लेन-देन पर गंभीर सवाल उठने लगे थे। ईडी ने ट्रिब्यूनल को बताया कि रोहन चोकसी के पास लस्टर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी में 99.99 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि मेहुल चोकसी उसमें निदेशक है। जांच में सामने आया है कि इस कंपनी का इस्तेमाल विदेशों में धन भेजने के लिए किया गया। एजेंसी के मुताबिक, एशियन डायमंड एंड ज्वैलरी एफजेडई से सिंगापुर स्थित मर्लिन लक्जरी ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड को 1,27,500 अमेरिकी डॉलर (करीब 81.6 लाख रुपये) ट्रांसफर किए गए थे। ईडी का दावा है कि यह रकम अपराध की आय थी, जिसे सीधे इस कंपनी को भेजा गया। ईडी ने यह भी कहा कि सिंगापुर स्थित मर्लिन लक्जरी ग्रुप वास्तव में मेहुल चोकसी के नियंत्रण में था और इसका संचालन लस्टर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के जरिए किया जा रहा था। ऐसे में, कंपनी में रोहन चोकसी की 99.99 प्रतिशत हिस्सेदारी होने के कारण वह संपत्तियों की कुर्की से बच नहीं सकते।

ईरान में करीब 9,000 भारतीय नागरिक फंसे, स्थिति पर सरकार की कड़ी नजर- विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में बिगड़ते हालात के बीच भारत सरकार ने अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि वर्तमान में ईरान में लगभग 9,000 भारतीय नागरिक रह रहे हैं, जिनमें अधिकांश छात्र हैं।

उन्होंने बताया कि हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए भारत सरकार ने दो-तीन एडवाइजरी जारी की हैं। इन एडवाइजरी के माध्यम से भारत में रह रहे नागरिकों को फिलहाल ईरान की यात्रा न करने की सलाह दी गई है। वहीं, ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों से कहा गया है कि वे उपलब्ध साधनों का उपयोग कर सुरक्षित रूप से देश छोड़ने की कोशिश करें। रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया कि भारत सरकार ईरान की स्थिति पर लगातार और करीबी नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि वहां रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और भलाई सर्वोच्च प्राथमिकता है और सरकार उनकी मदद के लिए हर जरूरी कदम उठाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शक्सगाम घाटी को लेकर उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर भारत की स्थिति पहले ही स्पष्ट की जा चुकी है और इससे संबंधित टिप्पणियां पहले जारी की जा चुकी हैं। चाबहार पोर्ट के संबंध में उन्होंने बताया कि अमेरिका ने 28 अक्तूबर 2025 को सशर्त प्रतिबंधों पर मार्गदर्शन पत्र जारी किया था, जो 26 अप्रैल 2026 तक वैध है। भारत इस व्यवस्था पर अमेरिका के साथ लगातार काम कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने म्यांमार चुनावों पर कहा कि भारत ने हमेशा निष्पक्ष और समावेशी चुनावों की आवश्यकता को दोहराया है, जिसमें सभी हितधारक शामिल हों।

सिर्फ सीनियर होने से नहीं चलेगा काम, काबिलियत को दें प्राथमिकता- हाईकोर्ट

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: जेल विभाग में डीआईजी पद पर पदोन्नति रद्द

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने जेल विभाग में डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल के पद पर हुई एक पदोन्नति को अवैध करार देते हुए निरस्त कर दिया है। न्यायमूर्ति अमितेंद्र किशोर प्रसाद की एकल पीठ ने अमित शांडिल्य बनाम छत्तीसगढ़ राज्य मामले में फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि जब पदोन्नति का आधार 'मेरिट-कम-सीनियरिटी' (योग्यता-सह-वरिष्ठता) हो, तो विभाग केवल वरिष्ठता के आधार पर फैसला नहीं ले सकता।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब जगदलपुर केंद्रीय जेल के अधीक्षक अमित शांडिल्य ने कोर्ट में याचिका दायर कर एस.एस. तिग्गा की पदोन्नति को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता का तर्क था कि पदोन्नति के लिए पिछले पांच वर्षों के गोपनीय प्रतिवेदन (ष्टक्र) में उनकी रैंकिंग तिग्गा से बेहतर थी, फिर भी विभाग ने वरिष्ठता सूची में ऊपर होने के कारण उन्हें नजरअंदाज कर दिया। शांडिल्य ने दावा किया कि उनके पास 3 'आउटस्टैंडिंग' ग्रेडिंग थीं, जबकि तिग्गा के पास कम थीं, जिससे वे अधिक मेधावी साबित होते हैं।

अदालत ने पाया कि विभागीय पदोन्नति समिति ने योग्यता का तुलनात्मक मूल्यांकन करने के बजाय यांत्रिक तरीके से केवल वरिष्ठता को आधार बनाया, जो छत्तीसगढ़ लोक सेवा (पदोन्नति) नियम, 2003 के विरुद्ध है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि 'मेरिट-कम-सीनियरिटी' सिद्धांत में योग्यता ही मुख्य कारक है और वरिष्ठता का उपयोग केवल तभी होना चाहिए जब दो उम्मीदवारों की योग्यता बिल्कुल बराबर हो।

अदालत के सख्त निर्देश

हाईकोर्ट ने 9 मार्च 2023 के पदोन्नति आदेश और याचिकाकर्ता की शिकायत को खारिज करने वाले पत्र को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। अदालत ने राज्य सरकार और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे चार महीने के भीतर नए सिरे से डीपीसी की बैठक आयोजित करें।

नए मूल्यांकन में सभी पात्र अधिकारियों की योग्यता का तुलनात्मक अध्ययन किया जाएगा।

यदि याचिकाकर्ता अधिक योग्य पाए जाते हैं, तो उन्हें सभी वरिष्ठता लाभों के साथ पदोन्नत किया जाएगा।

इस फैसले से सरकारी महकमों में यह संदेश साफगया है कि उच्च पदों पर पदोन्नति के लिए केवल सेवा के साल काफी नहीं हैं, बल्कि बेहतर प्रदर्शन और कार्यक्षमता ही निर्णायक आधार बनेगी।

अभी 25 टोल पर ट्रायल शुरू

टोल प्लाजा 1 अप्रैल से कैशलेस, नकद भुगतान बंद होगा, सिर्फ फास्टैग या यूपीआई से टैक्स लिया जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1 अप्रैल से देश के सभी टोल प्लाजा कैशलेस हो जाएंगे। नए नियमों के लागू होने के बाद वाहन चालकों को टोल टैक्स चुकाने के लिए सिर्फ फास्टैग या यूपीआई पेमेंट का ही इस्तेमाल करना होगा।

यह जानकारी टीवी न्यूज चैनल आज तक को इंटरव्यू में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के सचिव वी. उमाशंकर ने दी। उन्होंने कहा कि टोल पर नकद (कैश) लेनदेन को पूरी तरह से बंद कर करने का फैसला लिया है।

इस कदम का मुख्य उद्देश्य टोल नाकों पर लगने वाली लंबी लाइनों को खत्म करना और सफर को बाधा रहित बनाना है। इस 'नो-स्टॉप' सिस्टम का पायलट प्रोजेक्ट फिलहाल देश के 25 टोल प्लाजा पर टेस्ट किया जा रहा है। हालांकि, अभी आधिकारिक नोटिफिकेशन आना बाकी है।

ट्रैफिक जाम और समय की बर्बादी खत्म करने की कोशिश

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय इस डिजिटल बदलाव को लागू करने के लिए

अंतिम रूप दे रहा है। वर्तमान में फास्टैग अनिवार्य होने के बावजूद कई जगहों पर कैश लेनदेन होते हैं। डिजिटल पेमेंट न करने वाले वाहनों के कारण जाम की स्थिति बनी रहती है। कैश बंद होने से गाड़ियों को टोल बूथ पर रुकना नहीं पड़ेगा।

सरकार के इस फैसले के 3 बड़े कारण

डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने के अलावा सरकार इसके जरिए तीन प्रमुख टारगेट पूरे करना चाहती है।

फ्यूल की बचत: टोल प्लाजा पर गाड़ियों के बार-बार रुकने और चलने के कारण भारी मात्रा में डीजल और पेट्रोल की बर्बादी होती है। कैश खत्म होने से यह बचत होगी।

पारदर्शिता: हर लेनदेन का डिजिटल रिकॉर्ड रहेगा, जिससे टोल कलेक्शन में होने वाली हेराफेरी या गड़बड़ी की गुंजाइश खत्म हो जाएगी।

तेज सफर: खुल्ले पैसों (चेंज) के चक्कर में होने वाली बहस और मैनुअल रसीद कटने में लगने वाला समय बचेगा।

बैरियर-मुक्त टोलिंग की तरफ बढ़ने की तैयारी

कैश पेमेंट बंद करना देश में 'मल्टी-लेन फ्री फ्लो' (रूरुस्नस्न) सिस्टम की दिशा में पहला कदम है। सरकार ऐसी तकनीक पर काम कर रही है, जिसमें हाईवे पर कोई फिजिकल बैरियर (नाका) नहीं होगा। गाड़ियां हाईवे की रफ्तार पर चलती रहेंगी और कैमरों व सेंसर्स की मदद से टोल अपने आप कट जाएगा। नया नियम लागू होने से पहले वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे अपने फास्टैग अकाउंट को एक्टिव रखें। अगर आप फास्टैग का उपयोग नहीं करते हैं, तो सुनिश्चित करें कि आपके स्मार्टफोन में यूपीआई पेमेंट की सुविधा चालू हो।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन, भीड़ ने बीडीओ दफ्तर फूंका

पुलिस पर पथराव और 20 लाख का नुकसान

दस्तावेजों में आग लगाई, फायर ब्रिगेड का रास्ता रोका

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन के खिलाफ चल रहा विरोध प्रदर्शन गुरुवार को हिंसक हो गया। उत्तरी दिनाजपुर जिले के चाकुलिया में उग्र भीड़ ने कानून व्यवस्था को ताक पर रखते हुए ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर (क्चष्ठह्र) के कार्यालय पर धावा बोल दिया। गुस्साई भीड़ ने दफ्तर में जमकर तोड़फोड़ की और आग लगा दी, जिससे करीब 20 लाख रुपये की सरकारी संपत्ति जलकर खाक हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने पहुंची पुलिस टीम पर भी उपद्रवियों ने पथराव कर दिया, जिसमें चाकुलिया थाने के स्टेशन इंचार्ज घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए एफआईआर दर्ज की है और 10 लोगों को हिरासत में ले लिया है। तनाव को देखते हुए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

हंगामा कर रहे लोगों का आरोप है कि मतदाता सूची के सत्यापन और सुनवाई के लिए उन्हें बार-बार नोटिस भेजकर परेशान किया जा रहा है। इसी गुस्से में भीड़ ने क्चष्ठह्र दफ्तर के अंदर घुसकर कंप्यूटर तोड़ दिए, फर्नीचर तहस-नहस कर दिया और अहम फाइलों व सरकारी दस्तावेजों को आग के हवाले कर दिया। उपद्रवियों का गुस्सा यहीं नहीं थमा; उन्होंने दफ्तर का सामान बाहर निकालकर फूंक दिया और खिड़की-दरवाजे तक तोड़ दिए। हद तो तब हो गई जब आग बुझाने आ रही दमकल गाड़ियों का रास्ता रोकने के लिए सड़कों पर टायर जला दिए गए, ताकि फायर फाइटर्स मौके पर न पहुंच सकें।

इस हिंसक घटना पर पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी (ष्टश्वह्र) ने भी बयान जारी किया है। उन्होंने बताया कि गोलपोखर-2 के बीडीओ सुजॉय धर ने चाकुलिया पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया है कि बदमाशों की भीड़ ने सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया और अधिकारियों को चोटिल किया।

खबर-खास

मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार शिक्षादूत से प्रधान पाठक गफ्फार खान सम्मानित हुए

बसना (समय दर्शन)। महासमुंद जिले के बसना विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर, संकुल केंद्र जमदरहा के प्रधान पाठक गफ्फ़र खान को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवम अनुकरणीय कार्य करने के कारण मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार 2025 शिक्षादूत सम्मान से सम्मानित किया गया ।सम्मान में प्रतीक चिन्ह, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महासमुंद लोकप्रिय विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, विशिष्ठ अतिथि चंद्रहास चंद्राकर (बीज निगम अध्यक्ष, महासमुंद), इंद्रजीत सिंह खालसा गोल्डी (मुख्य आयुक्त राज्य स्काउट गाइड), अपर कलेक्टर रवि साहू,जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे ,डीएमसी रेखराज शर्मा , डाइट प्राचार्य अरुण कुमार प्रधान,सहायक संचालक नंदकुमार सिन्हा, एपीसी विद्या साहू,चंद्राकर मैम उपस्थित थे। प्रधान पाठक गफ्फ़र खान ने अपने इस सम्मान को अपने माता - पिता और गुरुजनों को समर्पित किया है। प्रधान पाठक गफ्फ़र खान को मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार शिक्षादूत से सम्मानित होने पर बसना विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे , विकासखंड स्रोत केंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव, सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कंवर, जमदरहा संकुल समन्वयक डीजेंद्र कुर्रे, जमदरहा नोडल प्राचार्य उत्तर कुमार चौधरी,बड़ेटेमरी संकुल समन्वयक वारिश कुमार, गिधली संकुल समन्वयक गजेन्द्र नायक,बसना संकुल समन्वयक अध्यक्ष त्रिकांत बाघ, सी.एस.पटेल (प्राचार्य भूकेल),दुरुगपाली टुकड़ा सहायक शिक्षक मथामनी साहू, बसना विकासखंड के शिक्षकों , शाला प्रबंधन समिति ललितपुर और समस्त शुभचिंतकों ने बधाई दी है प्रधान पाठक गफ्फ़र खान ने बधाई देने वाले सभी का धन्यवाद प्रकट किया है।

ईपीएफ घोटाले पर सफाई कर्मचारियों का आक्रोश : गोलू नायक

राजनांदगांव (समय दर्शन)। नगर निगम के सफ़ाई कर्मचारियों के ईपीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि) से जुड़ी गंभीर अनियमितताओं को लेकर कर्मचारियों में गहरी नाराजगी है। नगर निगम सफ़ाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष गोलू नायक ने आरोप लगाया कि लंबे समय से कर्मचारियों के ईपीएफकी राशि उनके खातों में जमा नहीं की जा रही है, जिसके कारण कर्मचारियों को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है।

गोलू नायक ने बताया कि इस संबंध में कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसके चलते सफ़ाई कर्मचारी संघ ने 19 जनवरी को समस्त सफ़ाई कर्मचारियों के साथ पूर्ण कामबंद हड़ताल का ऐलान किया है। हड़ताल के दौरान नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में सफ़ाई कार्य पूरी तरह से ठप रहेगा, जिससे शहर की सफ़ाई व्यवस्था पर असर पड़ने की संभावना है।

सफ़ाई कर्मचारी संघ ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि ईपीएफ घोटाले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और कर्मचारियों के खातों में लंबित ईपीएफराशि को तत्काल जमा कराया जाए। इसके साथ ही संघ ने यह भी सुनिश्चित करने की मांग की है कि प्रत्येक माह कर्मचारियों का वेतन समय पर दिया जाए।

संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों का समाधान शीघ्र नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप से फैलाया जाएगा, और इसका जिम्मेदार नगर निगम प्रशासन होगा। यह मुद्दा अब नगर निगम प्रशासन के लिए चुनौती बन गया है, क्योंकि सफ़ाई कर्मचारियों के आंदोलन से शहर की सफ़ाई व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

सरसों की खेती से आत्मनिर्भर बनीं बजरहीन बाई गोंड़, उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि से परिवार की आर्थिक स्थिति हुई सुदृढ़

मुंगेली(समय दर्शन)। भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहाँ खेती न केवल आजीविका का साधन है बल्कि आत्मनिर्भरता का आधार भी है। छत्तीसगढ़ में भी किसान आधुनिक तकनीक और सरकारी योजनाओं के सहयोग से निरंतर प्रगति कर रहे हैं। इसी तारतम्य में विकासखंड लोरमी के ग्राम बिंदावल की कृषक महिला बजरहीन बाई गोंड़ की, जिन्होंने सरसों की खेती से अपनी मेहनत और सरकारी सहयोग के बल पर सफलता की नई मिसाल कायम की है। बजरहीन बाई गोंड़, पिछले 30 वर्षों से खेती से जुड़ी हुई हैं। उनके परिवार की आजीविका पूरी तरह कृषि पर निर्भर है। वर्ष 2025-26 में उन्होंने कृषि विभाग की तरफ योजना अंतर्गत सरसों फसल प्रदर्शन में भाग लिया। इस योजना के तहत उन्हें 1.970 हेक्टेयर क्षेत्र में उन्नत सरसों बीज उपलब्ध कराया गया। कृषि विभाग लोरमी द्वारा न केवल बीज प्रदान किए गए, बल्कि समय-समय पर खाद, रोग-व्याधि नियंत्रण किट तथा कृषि वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षण भी दिया गया। आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक मार्गदर्शन का सकारात्मक प्रभाव फसल पर स्पष्ट रूप से देखने को मिला।

मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार शिक्षादूत से प्रधान पाठक गफ्फ़र खान सम्मानित हुए

बसना (समय दर्शन)। महासमुंद जिले के बसना विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर, संकुल केंद्र जमदरहा के प्रधान पाठक गफ्फ़र खान को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवम अनुकरणीय कार्य करने के कारण मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार 2025 शिक्षादूत सम्मान से सम्मानित किया गया ।सम्मान में प्रतीक चिन्ह, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महासमुंद लोकप्रिय विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, विशिष्ठ अतिथि चंद्रहास चंद्राकर (बीज निगम अध्यक्ष, महासमुंद), इंद्रजीत सिंह खालसा गोल्डी (मुख्य आयुक्त राज्य स्काउट गाइड), अपर कलेक्टर रवि साहू,जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे ,डीएमसी रेखराज शर्मा , डाइट प्राचार्य अरुण कुमार प्रधान,सहायक संचालक नंदकुमार सिन्हा, एपीसी विद्या साहू,चंद्राकर मैम उपस्थित थे। प्रधान पाठक गफ्फ़र खान ने अपने इस सम्मान को अपने माता - पिता और गुरुजनों को समर्पित किया है। प्रधान पाठक गफ्फ़र खान को मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार शिक्षादूत से सम्मानित होने पर बसना विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे , विकासखंड स्रोत केंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव, सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कंवर, जमदरहा संकुल समन्वयक डीजेंद्र कुर्रे, जमदरहा नोडल प्राचार्य उत्तर कुमार चौधरी,बड़ेटेमरी संकुल समन्वयक वारिश कुमार, गिधली संकुल समन्वयक गजेन्द्र नायक,बसना संकुल समन्वयक अध्यक्ष त्रिकांत बाघ, सी.एस.पटेल (प्राचार्य भूकेल),दुरुगपाली टुकड़ा सहायक शिक्षक मथामनी साहू, बसना विकासखंड के शिक्षकों , शाला प्रबंधन समिति ललितपुर और समस्त शुभचिंतकों ने बधाई दी है। प्रधान पाठक गफ्फ़र खान ने बधाई देने वाले सभी का धन्यवाद प्रकट किया है।

जोन-5 में चल रहे विकास कार्यो का जायजा लेने पहुंचे-आयुक्त

भिलाईनगर (समय दर्शन)। शहर के बेहतर विकास के लिए उद्यान, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, डोम शेड, खेल सामग्री सहित टेनिस कोर्ट को सुविधायुक और बेहतर करने के उद्देश्य से निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय द्वारा निरीक्षण किया गया है। निगम द्वारा दिए जा रहे जनसुविधाओ को और बेहतर बनाने को कहा गया है। नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-5 क्षेत्र का सघन निरीक्षण कर उपस्थित अधिकारियो एवं अभियंताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये हैं। निगम आयुक्त द्वारा जोन-5 सेक्टर 5 सड़क 12 में निर्मित डोम शेड का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई कराने निर्देशित किये है। सड़क 12-13 में बने उद्यान का अवलोकन किये। उद्यान के भीतर पानी व्यवस्था सहित मंच एवं उद्यान की साफ-सफाई कराने कहा गया है। साथ ही उद्यान में पूर्व से स्थापित खेल सामग्री को संधारण कराने निर्देशित किये है, जिससे बच्चे खेल सामग्री का उपयोग कर सके। आयुक्त ने सड़क 14-15 में बने टेनिस कोर्ट का अवलोकन किये। खिलाड़ियों की सुविधा को देखते हुए टेनिस कोर्ट में आवश्यक संधारण कराने कहा गया है। वाटर एटीएम को पानी उपलब्धता अनुसार सुव्यवस्थित कर संचालित करने कहा गया है ।

अनुशासन, नियम पालन और खेल भावना जीवन के हर क्षेत्र में काम आएगा : कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे

जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता 2026 का आयोजन खेलभाठा मैदान में संपन्न

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय एक दिवसीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता 2026 का आयोजन सारंगढ़ के खेलभाठा मैदान में उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण कर किया गया।

खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि खेल का पहला और सबसे महत्वपूर्ण नियम अनुशासन है। खेल में समय का विशेष महत्व होता है। उन्होंने क्रिकेट का उदाहरण देते हुए कहा कि जब बल्लेबाज सही समय पर गेंद को खेलता है, तभी वह सफल होता है, लेकिन यदि समय और तालमेल में चूक हो जाए तो आउट होना निश्चित है। इसी प्रकार जीवन में भी समय, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। कलेक्टर ने कहा कि खेल में हार और जीत दोनों स्वाभाविक हैं। खिलाड़ियों को चाहिए कि वे जीतने पर अत्यधिक उत्साहित न हों और हारने पर निराश न हों।

एक जीत से कोई महान नहीं बनता और एक हार से किसी की किस्मत नहीं बदलती। उन्होंने सिकंदर का उदाहरण देते हुए बताया कि महान बनने के लिए निरंतर संघर्ष, धैर्य और आत्मसंयम आवश्यक है। उन्होंने खिलाड़ियों को जीवन से जोड़ते हुए कहा कि आज आप खेल मैदान में जो अनुशासन, नियम पालन और खेल भावना सीख रहे हैं, वही आगे चलकर आपके जीवन के हर क्षेत्र में काम आएगा। चाहे पढ़ाई हो, प्रतियोगी परीक्षा हो या जीवन की अन्य चुनौतियाँ—हर परिस्थिति में घबराने के बजाय धैर्य और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। कलेक्टर ने सभी खिलाड़ियों को पूर्ण समर्पण के साथ खेलने, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा अपनाने और उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होने की शुभकामनाएं दीं।

प्रतियोगिता का आयोजन बालिका वर्ग (9 से 18 वर्ष) एवं महिला वर्ग (18 से 35 वर्ष) के अंतर्गत किया गया। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, 100 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, रस्साकस्सी, खो-खो, वॉलीबॉल, हॉकी, कुश्ती, फुटबॉल एवं बास्केटबॉल सहित विभिन्न खेल विधाओं को शामिल किया गया।

बसना तहसील अंतर्गत भंवरपुर, गढ़फुलझर इलाके में अवैध धान का कारोबार जोरों पर

राजस्व टीम ने पकड़ा पिकअप समेत दो ट्रैक्टरों में 315 पैकेट धान

बसना (समय दर्शन)। बसना अंचल के भंवरपुर एवं गढ़फुलझर इलाके में धान दलालों के द्वारा जिला के बाहर से अवैध धान लाने एवं खपाने का कारोबार पल फूल रहा है। गौरतलब हो कि, यहां अवैध धान का कारोबार पल फूल रहा है तभी अवैध भण्डारण एवं परिवहन पर राजस्व की टीम कार्यवाही कर रही है।

बावजूद इसके कि, बसना अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, मण्डी कर्मचारी, राजस्व निरीक्षक, पटवारी सहित क्षेत्र के कोटवार रात में सतत गस्त कर रहे हैं। इसी का परिणाम है कि ग्रामीण इलाकों में रात्रि में भी अधिकारी कर्मचारी सघन दौरा कर शासन की मंशानुरूप किसानों के हित में अवैध कारोबार पर कार्रवाई करते हुए अवैध भण्डारण एवं परिवहन पर कार्रवाही की जा रही है। बीते दिन अवैध धान परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो ट्रैक्टर व एक पिकअप वाहन से कुल 315 पैकेट अवैध धान जब्त किया गया है।

यह कार्रवाई बीती रात 12 बजे से 1 बजे के बीच अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बसना हरिशंकर पैकरा एवं बसना मंडी सचिव श्रवण कुमार कुरुवंशी के नेतृत्व में मंडी उड़नदस्ता टीम द्वारा की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक पिकअप वाहन सीजी 06 जी आर 8933 रामभाठा चौक चनाट पहुंची ।

मुखबिर की सूचना के आधार पर उसे रोका गया। पिकअप वाहन में 90 पैकेट धान लोड था। धान के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग की गई। लेकिन वाहन चालक सुभाष चौहान पिता कन्हैया चौहान ग्राम टांगापासा द्वारा कोई वैध दस्तावेज नहीं दिए जाने के बाद पिकअप वाहन में लोड 90 पैकेट धान को मौके पर जप्त किया गया।

इसके बाद अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बसना एवं मंडी टीम द्वारा न्यू हॉलैंड सोल्ड ट्रैक्टर एवं आयशर ट्रैक्टर क्र. सीजी 06 जी आर 3893 दोनों ट्रैक्टर से ग्राम पैता में 225 पैकेट धान को ट्रैक्टर में छिपाया गया था। दोनों ट्रैक्टर वहीं मौजूद था। दोनों ट्रैक्टर का धान हर प्रसाद चौधरी पिता लखेश्वर चौधरी ग्राम पैंता द्वारा 225 पैकेट धान दलदली से ला कर रखा गया था। कोई वैध दस्तावेज नहीं मिलने के बाद उक्त 225 पैकेट धान एवं दोनों ट्रैक्टर को मौके पर जब्त किया गया। यह कार्रवाई अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बसना हरिशंकर पैकरा एवं मंडी सचिव श्रवण कुमार कुरुवंशी एवं मंडी उपनिरीक्षक खुलुराम यादव मंडी उपनिरीक्षक शम्मी कुमार के उड़न दस्ता टीम द्वारा की गई है। सभी 315 पैकेट अवैध धान एवं 1 पिकअप वाहन एवं दो ट्रैक्टर की भी जब्त कर मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान अधिकारियों से संपर्क करने पर पकड़े गये धान की अनुमानित कीमत 3.90 लाख रूपये बताई गई है। जो 31 सौ रूपये धान की खरीदी के आधार पर है।

अपुष्ट सूत्रों से मिली जानकारी के

रिकॉर्ड में गड़बड़ी पर राइस मिल में छापा, 56 हजार से अधिक बोरी धान जब्त

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में अवैध धान भंडारण एवं अनियमितताओं पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विकासखंड नवागढ़ के ग्राम पंचायत नेगुरडीह स्थित श्री हरि राइस मिल में खाद्य विभाग की टीम द्वारा छापामार कार्रवाई की गई।

जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान मिल के प्रोपराइटर श्री झामलाल साहू मौके पर उपस्थित थे। निरीक्षण के समय मिल के रिकॉर्ड कीपिंग में गड़बड़ी तथा मिल संचालन में अनियमितता पाई गई। जांच उपरांत मिलर से 56 हजार 417 बोरी धान, जिसका कुल वजन 22,566.80 क्विंटल है, को जब्त किया गया।

कलेक्टर श्री महोबे के निर्देश पर जिले में कोचियों, बिचौलियों एवं राइस मिलों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने के लिए नियमित सत्यापन जांच के साथ-साथ आकस्मिक छापामार कार्रवाई लगातार की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्थिति में अवैध धान समिति में धान खरीदी के दौरान खपाया न जा सके।

दन्तेवाड़ा में हुआ शौर्य स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा में अमर शहीदों की स्मृति में दन्तेवाड़ा पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के तहत् शहीद हुये जवानों की स्मृति में शौर्य स्मृति क्रिकेट लीग का दूसरा दिन। इस दौरान मुख्य अतिथि 2आईसी विवेक कुमार सिंह सीआरपीएफ, के गरिमामय उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान नगर उप पुलिस अधीक्षक नसरूल्ला सिद्दकी, रक्षित निरीक्षक- सुशील नौटियाल, और बड़ी संख्या में खिलाडी/क्रिकेट प्रेमी व आम नागरिक मौजूद रहे। टूर्नामेंट के दूसरे दिन का प्रथम मैच फ़रसपाल ए एवं दंतेवाड़ा बी के मध्य खेला गया जिसमें फ़रसपाल ए ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया, दंतेवाड़ा बी द्वारा 93 रन का लक्ष्य दिया गया, फ़रसपाल ए की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 9 ओवर में ही 94 रन बनाकर मैच को जीत गए, इस मैच के मेन ऑफ़द मैच विष्णु रहे जिन्होंने 20 रन बनाये व 02 विकेट लिए। प्रतियोगिता का दूसरा मैच मालवाही ए एवं छत्रन्न के मध्य खेला गया जिसमें मालवाही ए ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया, छत्रन्नकी टीम ने 137 रन का लक्ष्य दिया। जिसको पीछा करते हुए मालवाही ए की पूरी टीम 64 रन में ऑलआउट हो गई। इस मैच के मेन ऑफद मैच यशवंत पोयाम रहे जिन्होंने टीम की जीत में 41 रन एवं 03 विकेट लिए।

इसके पश्चात आज दिन का अंतिम मैच फ़रसपाल ए एवं छत्रन्नके मध्य खेला गया, जिसमें फ़रसपाल ए ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया, छत्रन्नके टीम ने 104 रन का लक्ष्य दिया। फ़रसपाल ए की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 8.4 ओवर में ही 105 रन बनाकर मैच को जीत गए, इस मैच के मेन ऑफद मैच शैलेन्द्र रहे, जिन्होने 33 रन एवं 02 विकेट लिए और टीम ने जीत हासिल करते हुए क्वार्टर फइनल में प्रवेश किया।

''लर्निंग लायसेंस शिविर'' में 43 वाहन चालकों को प्रदाय किया गया लर्निंग लायसेंस

अगामी दिनों में भी विभिन्न स्थानों में किया जाना है लर्निंग लायसेंस शिविर का आयोजन

बालोद (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक बालोद योगेश कुमार पटेल के निर्देशन पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका ठाकुर के मार्गदर्शन में, बोनीफॉस एक्का उप पुलिस अधीक्षक (मुख्या.) बालोद एवं यातायात प्रभारी निरीक्षक रविशंकर पाण्डेय के नेतृत्व में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत शासन द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार जिले में ''राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह'' यातायात सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है।

यातायात एवं परिवहन विभाग बालोद द्वारा संयुक्त रूप से परिवहन सुविधा केन्द्र के सहयोग से लर्निंग लायसेंस शिविर का आयोजन यातायात कार्यालय बालोद के सामने किया गया है। इस शिविर में कुल 43 वाहन चालकों का लर्निंग लायसेंस बनाकर प्रदाय किया गया। यातायात पुलिस बालोद द्वारा लगातार वाहन चालको से अपील किया जा रहा है की बिना लायसेंस के वाहन न चलाएं, नाबालिक बच्चों को वाहन चलाने न देवे। शराब सेवन कर खतरनाक तरीके से वाहन चलाते हुए अपने तथा अन्य व्यक्तियों की जान जोखिम में न डाले हमेशा यातायात नियमों का पालन करे आम जनो एवं वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए बालोद पुलिस सदैव तत्पर है। यातायात एवं परिवहन विभाग द्वारा लगातार सड़क सुरक्षा माह के दौरान लर्निंग लायसेंस शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें अगामी दिनों में निम्नानुसार स्थानों में लर्निंग लायसेंस शिविर का आयोजन किया जाना है जिसमें इच्छुक व्यक्ति इन स्थानों में जाकर लर्निंग लायसेंस बनवा सकते है।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने मीडिया को दी विकास कार्यों की जानकारी

विकास कार्यों और सुविधाओं के विस्तार से बदल रहा सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले का स्वरूप

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे की अध्यक्षता और पत्रकारों की उपस्थिति में जनसंपर्क विभाग द्वारा राज्य स्थापना के रजत जयंती के अवसर पर क्रिएटर मीट, पॉड कॉस्ट सीरीज और चाय पर चर्चा कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में गुरुवार को आयोजित की गई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, वित्त मंत्री ओ पी चौधरी और प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा की पहल पर सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले का विकास बहुत तेज गति से हुआ है, जिससे सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में सुविधा की बढ़ोतरी हुई है। जिले में जिला सयुंक्त कार्यालय, जिला अस्पताल, एसडीएम और तहसील कार्यालय का निर्माण चल रहा है। उप पंजीयक कार्यालय, अपेक्स बैंक नया खुल गया है। वहीं भटगांव में भी उप पंजीयक कार्यालय प्रारम्भ हो चुका है। सारंगढ़ सराईपाली और सारंगढ़ बलौदाबाजार नेशनल हाईवे में सड़क मरम्मत किया जा चुका है। सारंगढ़ में नालंदा परिसर और लाईवलीहुड कॉलेज प्रस्तावित है वहीं सरसीवा से सराईपाली सड़क मरम्मत कार्य निविदा प्रक्रिया में है। कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने कहा कि वृद्धजनों के लिए सारंगढ़ में आशा निकेतन वृद्धाश्रम और युवाओं के कैरियर के लिए व्यापम की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु निशुल्क कोचिंग की जा रही है। सारंगढ़ से हरदी और दानसरा बायपास का नेशनल हाइवे का नया सड़क बन गया है। इस दौरान जल जीवन मिशन का नाली निर्माण, वन विभाग द्वारा पेड़ कटाई, नगरपालिका सारंगढ़ का पाईप मरम्मत सहित विद्युत खम्भो और ट्रांसफार्मर का व्यवस्थापन किया गया।

दानसरा में अवैध कब्ज़ा को हटाया गया और नाली निर्माण चल रहा है, जिसके कारण 400 मीटर का काम शेष है। जिला चिकित्सालय में डॉक्टरों की व्यवस्था जैसे सिविल सर्जन, शिशु रोग विशेषज्ञ, मेडिसिन विशेषज्ञ सहित प्रति बुधवार को मेडिकल बोर्ड बैठने की सुविधा सहित कई प्रकार के निशुल्क जांच और डायलीसिस सुविधा उपलब्ध है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस के 307 ब्लॉक अध्यक्षों की सूची जारी-दीपक बैज

रायपुर। एआईसीसी ने छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के 307 ब्लॉक अध्यक्षों की सूची जारी कर दी गई है। करीब चार माह देरी से जारी सूची में प्रदेश के सभी कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्षों नाम शामिल हैं। अब कांग्रेस संगठन के सृजन अभ्रियान के लिए बूथ समिति के अध्यक्षों कर सूची आनी शेष है। दीपक बैज के लगभग दो साल के कार्यकाल के बाद विधानसभा और लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद संगठन और कार्यकारिणी के गठन का कार्य किया जा रहा है। सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को बदलने की चर्चा शुरू हुई थी। सूत्रों के हवाले से बड़े नेताओं से दिल्ली में चर्चा हुई है, इसको लेकर सोशल मीडिया पर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है। नए अध्यक्ष की रेस में एक ओर जहां पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की तरफसे कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नन्द कुमार पटेल के बेटे और पूर्व मंत्री उमेश पटेल को बनाने की बात कही जा रही है, तो दूसरी तरफखुद टीएस बाबा है कई बार प्रदेश अध्यक्ष बनने को लेकर अपनी इच्छा जाहिर कर चुके है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जब राहुल गांधी छत्तीसगढ़ दौरे पर आये थे तब मंच पर राहुल गांधी ने उमेश पटेल की खूब तारीफभी की थी। इसके पहले उमेश पटेल को नेता प्रतिपक्ष बनाने की चर्चा खूब हो रही थी।

गोण्डा क्षेत्र में 29 भटके युवाओं ने चुना शांति और सम्मान का मार्ग

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शांति, विश्वास और विकास की दिशा में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई है। सुकमा जिले के गोण्डा क्षेत्र में सक्रिय रहे 29 भटके युवाओं ने हिंसा और भटकाव का मार्ग छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह केवल आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि उस भरोसे, सुरक्षा और स्थिरता का प्रमाण है जो अब नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लौट रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जहाँ कभी भय, दबाव और असुरक्षा का वातावरण था, वहाँ अब सुरक्षा शिविरों की सशक्त मौजूदगी, प्रशासन की सक्रियता और जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुँच से हालात तेजी से बदल रहे हैं। सुकमा और उसके आसपास के इलाकों में विकास कार्य, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, राशन, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ आम लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार की स्पष्ट नीति है कि जो हिंसा छोड़कर संविधान और विकास का रास्ता चुनेगा, उसके लिए सरकार सम्मानजनक जीवन, अवसर और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करेगी। सरकार का उद्देश्य केवल हिंसा को समाप्त करना नहीं, बल्कि उन युवाओं को समाज की मुख्यधारा में लौटाकर उन्हें एक नई पहचान और नया जीवन देना है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 29 युवाओं का मुख्यधारा में लौटना यह साबित करता है कि अब छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचलों में डर की जगह भरोसा और अंधेरे की जगह उम्मीद ने ले ली है। यह परिवर्तन केवल सुरक्षा अभियानों का परिणाम नहीं, बल्कि उस संवेदनशील शासन व्यवस्था का परिणाम है जो संवाद, विकास और पुनर्वास को प्राथमिकता देती है। राज्य सरकार ने पुनर्वास, कौशल विकास, शिक्षा, स्वरोजगार और सामाजिक सुरक्षा के माध्यम से यह सुनिश्चित किया है कि भटकाव छोड़ने वाले युवाओं को समाज में सम्मान, स्थिरता और आत्मनिर्भरता मिले। छत्तीसगढ़ आज स्पष्ट रूप से यह संदेश दे रहा है कि हिंसा नहीं, विकास ही भविष्य है।

2025 में गोदरेज प्रॉपर्टीज का दबदबाः 34,171 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बुकिंग के साथ लगातार दूसरे साल बनी भारत की सबसे बड़ी लिस्टेड रेजिडेंशियल रियल एस्टेट डेवलपर

रायपुर : रियल एस्टेट सेक्टर में अपना वर्चस्व कायम रखते हुए, भारत की अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपमेंट कंपनियों में से एक, गोदरेज प्रॉपर्टीज़ लिमिटेड (जीपीएल) ने कैलेंडर वर्ष 2025 में एक बार फिर इतिहास रचा है। बुकिंग वैल्यू और कैश कलेक्शन के ठोस आंकड़ों के आधार पर, कंपनी ने लगातार दूसरे वर्ष भारत की सबसे बड़ी लिस्टेड रेजिडेंशियल डेवलपर होने का गौरव हासिल किया है। कैलेंडर वर्ष 2025 के दौरान, जीपीएल ने 16,428 घरों की बिक्री की, जिनका कुल बिक्री योग्य क्षेत्रफल 2.726 करोड़ वर्ग फुट रहा। यह प्रदर्शन पूरे भारत में 41 सफल प्रोजेक्ट लॉन्च के सहयोग से संभव हुआ। बुकिंग वैल्यू साल-दर-साल 19 प्रतिशत बढ़कर 34,171 करोड़ रुपये रही, जो कैलेंडर वर्ष 2022 से कैलेंडर वर्ष 2025 के बीच लगभग 44 प्रतिशत की CAGR को दर्शाती है। वर्ष के दौरान कलेक्शंस 28 प्रतिशत बढ़कर 18,979 करोड़ रुपये हो गया, जो तीन वर्षों की अवधि में 35 प्रतिशत की सीएजीआर के बराबर है। जीपीएल ने ने पूरे वर्ष निरंतर त्रैमासिक प्रदर्शन किया, जिसमें CY 2025 की प्रत्येक चार तिमाहियों में 7,000 करोड़ रुपये से अधिक की बुकिंग वैल्यू दर्ज की गई। कंपनी की बिक्री भौगोलिक रूप से विविधतापूर्ण रही, जिसमें प्रमुख रेजिडेंशियल मार्केट का अहम योगदान रहा: एमएमआर (9,677 करोड़ रुपये), एनसीआर (9,348 करोड़ रुपये), बेंगलुरु (?6,566 करोड़), पुणे (4,083 करोड़ रुपये) और हैदराबाद (3,052 करोड़ रुपये)।

वन मंत्री केदार कश्यप और सांसद महेश कश्यप की उपस्थिति ने बढ़ाया उत्साह

बस्तर की माटी से जुड़ी कला को मंच प्रदान करना है-केदार कश्यप

- बस्तर पंडुम अंतर्गत बस्तर और बकावंड में लोक संस्कृति के महापर्व में मांदर की थाप पर थिरके कलाकार
- बस्तर पंडुम 12 विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं के संरक्षण का माध्यम

रायपुर/ संवाददाता

बस्तर की समृद्ध जनजातीय परंपरा और लोक संस्कृति को सहेजने की दिशा में एक ऐतिहासिक अध्याय जोड़ते हुए बस्तर पंडुम 2026 का उत्साह अब पूरे शबाब पर है। इसी कड़ी में गुरुवार को विकासखंड मुख्यालय बस्तर और बकावंड में ब्लॉक स्तरीय बस्तर पंडुम का भव्य आयोजन संपन्न हुआ, जहां मांदर की थाप और लोकगीतों की गूंज ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। बस्तर में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप और सांसद बस्तर श्री महेश कश्यप भी शामिल हुए। उनके साथ जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप और जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री संतोष बघेल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर न केवल कलाकारों की हौसला अफ्ज़ाई की, बल्कि बस्तर की माटी से जुड़ी कला को मंच प्रदान करने की इस पहल को सराहा। इसी तरह बकावंड में आयोजित कार्यक्रम में सांसद श्री महेश कश्यप ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। गौरतलब है कि बस्तर पंडुम आयोजन के दौरान विकासखंड के विभिन्न अंचलों से आए कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। यह आयोजन महज एक प्रतियोगिता तक सीमित न रहकर बस्तर की 12 विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं के संरक्षण का माध्यम बना। कलाकारों ने जनजातीय नृत्य, लोकगीत, पारंपरिक वाद्ययंत्रों के वादन से लेकर बस्तर के स्वादिष्ट व्यंजनों, वन औषधियों और हस्तशिल्प का ऐसा प्रदर्शन किया कि उपस्थित अतिथि और दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने इस अवसर पर कहा कि अपनी जड़ों और परंपराओं को जीवित रखने के लिए ऐसे आयोजन अत्यंत आवश्यक हैं, जो नई पीढ़ी को अपनी विरासत पर गर्व करना सिखाते हैं। उन्होंने अपने उद्बोधन में जोर देते हुए कहा कि बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों का मूल उद्देश्य हमारे तीज-त्यौहार, खान-पान, बोली-भाषा और रीति-रिवाजों को संरक्षित करना है। आज की युवा पीढ़ी आधुनिकता की दौड़ में अपनी जड़ों को न भूले, इसलिए शासन ने यह मंच तैयार किया है। हमारे कलाकारों के हुनर में वह जादू है जो दुनिया को आकर्षित करता है, और हमें इस विरासत को सहेजकर अगली पीढ़ी को सौंपना होगा। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सांसद श्री महेश कश्यप ने अपने उद्बोधन में प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बस्तर के कण-कण में कला बसती है। गाँव-गाँव में छिपी इस प्रतिभा को निखारने के लिए बस्तर पंडुम एक क्रांतिकारी पहल है। आज यहाँ 12 विधाओं में जो प्रदर्शन देखने को मिल रहा है, वह यह साबित करता है कि हमारी लोक कला आज भी उतनी ही जीवंत है। यह मंच हमारे ग्रामीण कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने की पहली सीढ़ी है। इस मौके पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सहित अधिकारी-कर्मचारी और बडी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

धर्म के नाम पर राजनीति करने वाली भाजपा प्रभु श्री राम को अपमानित कर रही हैं-सुरेन्द्र

- कुत्ते के नाम को लेकर परीक्षा में सवाल पर राम का विकल्प करोड़ों हिन्दुओं की आस्था पर प्रहार है।

रायपुर। संवाददाता

पहले महासमुंद जिला फिर गरियाबंद में चौथी कक्षा के तिमाही परीक्षा में कुत्ते के नाम के सवाल पर करोड़ों करोड़ हिंदु आस्था के मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के नाम का विकल्प शामिल करने को सनातन विरोधी षड्यंत्र करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि हिंदुत्व के नाम पर राजनीति करने वाले संघी भाजपाइयों का राम द्रोही चेहरा उजागर हुआ है। प्रदेश के शिक्षा मंत्री पूरे घटनाक्रम पर परदेदारी करने साज़िश का बहाना बना रहे हैं। सनातन आस्था पर चोट के इतने संवेदनशील मामले पर अब तक ना कोई एफआईआर दर्ज की गई है और ना ही किसी जिम्मेदार के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई की गई है, इससे साफ है कि सत्ता का संरक्षण पापी और अधर्मियों को है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि गैर जिम्मेदार जिला शिक्षा अधिकारी खुद ही कह रहे हैं कि परीक्षा का प्रश्न पत्र प्रिंटर ने अपनी मर्जी से छाप दिया जबकि प्रश्न पत्र तैयार करने का एक प्रिसक्राइब्ड प्रोटोकॉल होता है जिसमें शिक्षकों की कमेटी प्रश्न पत्र तैयार करती है, उसके अप्रूवल के बाद ही छपाई के लिए जाता है। जिम्मेदार अधिकारियों के बयान से यह साफहै कि सरकार में कमीशन खोरी के लालच में नए अनुभवहीन प्रिंटर को प्रश्न पत्र छपाई का काम दिया गया है, पूरा शिक्षा विभाग वसूली गिरोह की तरह काम कर रहा है, ऐसे अक्षम और धर्मद्रोही शिक्षा मंत्री को तत्काल बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए और पूरे प्रकरण के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को जनता से तत्काल माफी मांगनी चाहिए। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की जन्मस्थली है, यहां के करोड़ हिंदू भगवान प्रभु श्री राम को भांचा स्वरूप में पूजा करते हैं और इसी आस्था से अपने-अपने भांचा का चरण स्पर्श करते है। छत्तीसगढ़ माता शबरी की भूमि है लेकिन कुत्ते के नाम का जो सवाल चौथी के बच्चों से छमाही परीक्षा के प्रश्न में पूछा गया और उसके विकल्प के तौर पर प्रभु श्री राम का नाम शामिल किया गया वह बेहद आपत्तिजनक है और उससे भी गंभीर आपत्तिजनक उक्त प्रकरण में सरकार का रवैया गैर जिम्मेदाराना है।

तातापानी महोत्सव हमारी आस्था और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक- रामविचार नेताम

- स्थानीय कलाकारों ने वनांचल की समृद्ध संस्कृति की छटा बिखेरी
- पद्मश्री अनुज शर्मा की सुरीली आवाज पर झूमे दर्शक
- स्कूली छात्र-छात्राओं ने लोक नृत्यों के माध्यम से प्रस्तुत की परम्परा की झलक

रायपुर/ संवाददाता

बलरामपुर-रामानुजगंज जिला अपनी अनूठी संस्कृति और लोक परंपराओं के लिए अपनी विशेष पहचान रखता है। इसी गौरवशाली विरासत को संजोने के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का भव्य शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने किया। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर आयोजित इस महोत्सव के पहले दिन सांस्कृतिक संध्या ने दर्शकों को उत्साह से भर दिया। इस मौके पर आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। मंत्री श्री नेताम ने अपने संबोधन में कहा कि तातापानी महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी आस्था और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। प्रशासन और स्थानीय जनभागीदारी से यह आयोजन प्रतिवर्ष नई ऊंचाइयों को छू रहा है। महोत्सव की पहली सांस्कृतिक संध्या के मुख्य आकर्षण प्रदेश के सुप्रसिद्ध कलाकार और पद्मश्री से सम्मानित श्री अनुज शर्मा रहे। उन्होंने अपनी टीम के साथ छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की ऐसी जादुई प्रस्तुति दी कि पंडाल में मौजूद हजारों दर्शक मंत्रमुग्ध होकर झूमने लगे। इसके साथ ही स्थानीय कलाकारों ने भी अपनी कला का प्रदर्शन कर वनांचल की समृद्ध संस्कृति की छटा बिखेरी। कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्रों ने न केवल पारंपरिक लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया, बल्कि जिले में हो रहे विकास कार्यों को भी रचनात्मक ढंग से मंच पर उतारा। अतिथियों ने बच्चों के इस हुनर की मुक्त कंठ से सराहना की। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा नेताम, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री धीरज सिंह देव, कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा, पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर रमनलाल, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और आम नागरिक मौजूद रहे।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन कैंसर जागरूकता के लिए 'मुंबई मैराथन 2026' में उतारेगा सबसे बड़ी कॉर्पोरेट टीम

मुंबई: एचडीएफसी बैंक, अपने सीएसआर प्रोग्राम परिवर्तन के ज़रिए, कैंसर जागरूकता और जल्दी पता लगाने में मदद करने के लिए 18 जनवरी को होने वाले 'टाटा मुंबई मैराथन 2026' में हिस्सा लेने के लिए लगभग 1,500 कर्मचारियों को जुटाएगा । बैंक ने इंडियन कैंसर सोसाइटी (आईसीएस) के साथ पार्टनरशिप की है, जो भारत का सबसे पुराना नॉन-प्रॉफिट संगठन है जो कैंसर की देखभाल के लिए समर्पित है। अपने हेल्थकेयर और हाइजीन पिलर के तहत 18 जनवरी को होने बैंक परिवर्तन प्राइमरी और प्रिवेंटिव हेल्थकेयर तक पहुंच में सुधार करने, स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करने और समुदायों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक व्यवहार को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करता है। टाटा मुंबई मैराथन में आईसीएस के साथ यह पार्टनरशिप कैंसर का जल्दी पता लगाने को बढ़ावा देकर इस प्रतिबद्धता को मज़बूत करती है, जिसका अगर जल्दी पता चल जाए तो इलाज आसानी से हो सकता है। यह सहयोग 18 जनवरी को होने बैंक परिवर्तन की सामुदायिक स्वास्थ्य के प्रति व्यापक प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाता है। मैराथन के हिस्से के रूप में, आईसीएस 100 से ज़्यादा धावकों की एक टीम भी उतारेगा, जिसमें युवा कैंसर सर्वाइवर और आईसीएस कर्मचारी शामिल हैं। मैराथन के बारे में बात करते हुए, एचडीएफसी बैंक के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर श्री कैजाद भरूचा ने कहा, हम एक ऐसे मकसद के लिए दौड़ रहे हैं जो किसी न किसी तरह से हर परिवार को छूता है। एक बैंक के तौर पर, हमारी ज़िम्मेदारी फइनेंशियल सर्विसेज़ से बढ़कर उन समुदायों की भलाई तक फैली हुई है जिनकी हम सेवा करते हैं।

जब पीढ़ियों के मूल्य टकराते हैं, 'महादेव एंड सन्स' खुलता है एक दिलचस्प पारिवारिक गाथा—प्यार, विश्वास और विश्वासघात की कहानी

कुछ रिश्ते मिसाल बन जाते हैंज् और कुछ मिसालों का बोझ बनकर रह जाते हैं। इस भाव को जीवन्त करते हुए कलर्स प्रस्तुत करता है 'महादेव एंड सन्स', एक दिलचस्प पारिवारिक ड्रामा जो निषिद्ध प्रेम से जन्मा है और जीवनभर के परिणामों से आकार लेता है। कहानी का मंच है हरदोई का मंदिर नगर, जहाँ महादेव—एक अनाथ जो बाजपेयी परिवार में नौकर बनकर आया था—समय के साथ नगर का सबसे सम्मानित और धनी व्यक्ति बन गया। अपने मालिक की बेटी विद्या से उसका निषिद्ध प्रेम विद्या से सब कुछ छीन ले गया—उसका घर, उसका नाम और उसकी विरासत। अपमानित और त्यागी गई इस जोड़ी ने अनुशासन और परंपरा के सहारे, ईंट दर ईंट अपनी ज़िंदगी को फिर से बनाया, कटुता के बजाय गरिमा को चुना।

कार्यालय जोन क्रमांक-3 नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

--: निविदा आमंत्रण सूचना :--

क्रमांक 57/ न.पा.नि. जोन 03 / 2025-26 — रायपुर, दिनांक 15/01/2026

मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रित की जाती है :-

05. निविदा प्रपत्र हेतु आवदेन तिथि — 30.01.2026 कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
06. निविदा प्राप्त करने की तिथि — 02.02.2026 कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
07. निविदा जमा करने की तिथि — 05.02.2026 कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
08 निविदा खोलने की तिथि — 06.02.2026 कार्यालयीन समय 12:00 बजे तक

कार्य का विवरण निम्नानुसार है।

क्र.	कार्य का नाम	आगणित राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	प्रपत्र एवं एस.ओ.आर. का विवरण	समय अवधि	मद
01	कालीमाता वार्ड क्र. 12 अंतर्गत तरूण नगर शीतला मंदिर के सामने स्थित सामुदायिक भवन में टॉयलेट निर्माण, शेड वर्क एवं अन्य आवश्यक संधारण कार्य ।	9.63	10000/-	750/-	डी एवं इससे ऊपर	प्रपत्र अ (पीडब्ल्यूडी भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस.ओ.आर.)	04 माह	सामान्य मद
02	गुरु गोविंद सिंह वार्ड क्र. 29 अंतर्गत शीतला कॉलोनी स्थित भवन अधूरे निर्माण कार्य को पूर्ण करने हेतु ।	5.00	5000/-	750/-	डी एवं इससे ऊपर	प्रपत्र अ (पीडब्ल्यूडी भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस.ओ.आर.)	06 माह	विधायक निधि
03	मदर टेरेसा वार्ड क्र. 47 अंतर्गत श्याम नगर स्थित विक्की गौतम के घर के पास सी.सी. नाली, पुलिया एवं रोड संधारण कार्य।	3.41	3500/-	750/-	डी एवं इससे ऊपर	प्रपत्र अ (पीडब्ल्यूडी भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस.ओ.आर.)	03 माह	संधारण मद

1. निविदा के दस्तावेज रजिस्टर्ड पोस्ट/स्पीड के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा।
2. कार्य से संबंधित अन्य जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन दिवस में जोन क्रमांक- 03 नगर पालिक निगम, रायपुर कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
3. निविदा जमा करने की तिथि एवं खोलने के तिथि में किसी वजह से अवकाश घोषित होता है तो वह कार्यालयीन दिवस में किया जावेगा।
4. कार्यालय में निर्धारित समय एवं तिथि के पश्चात् विलम्ब से प्राप्त होने वाले निविदाओं में कोई विचार नहीं किया जावेगा।
5. शासकीय अवकाश या आकस्मिक अवकाश की स्थिति में तिथि व समय में परिवर्तन का अधिकार जोन आयुक्त के पास सुरक्षित होगा।
6. किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार नगर निगम रायपुर के पास सुरक्षित है।
7. संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की ई-मेल आई.डी. **datacenter.uad.cg@nic.in** आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।
8. उक्त निविदा नगर पालिक निगम, रायपुर के वेबसाईट **nagarnigamraipur.nic.in** में देखी जा सकती है।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन आयुक्त
जोन क्रं. 03
नगर पालिक निगम, रायपुर

विधायक को भाजपा सरकार ने राजनीतिक षड्यंत्र रच फर्जी मामले में फसाया-दीपक

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि विधायक बालेश्वर साहू को भाजपा सरकार ने गलत फंसाया है। भाजपा सरकार डरी हुई है। कांग्रेस नेताओं कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज कर फंसा रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, आदिवासी नेता एवं विधायक कवासी लखमा, विधायक देवेंद्र यादव, विधायक उत्तरी जांगड़े के बाद विधायक बालेश्वर साहू के खिलाफ मनगढ़ंत आरोप लगाकर फर्जी मामला दर्ज कर झूठा मुकदमा बनाकर अदालत में प्रस्तुत किया था। ये लोकप्रिय विधायक बालेश्वर साहू की राजनीतिक हत्या का षड्यंत्र है। कांग्रेस, बालेश्वर साहू की गिरफ्तारी का विरोध करती है।

उनकी रिहाई की मांग करती है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम सीमा में है। कांग्रेस रोज भ्रष्टाचार उजागर कर रही है, इससे भाजपा भयभीत है। इसीलिए कांग्रेस नेताओं के खिलाफ षड़यंत्र कर झूठे मुकदमें दर्ज किये जा रहे है। कवर्धा में अभी 7 करोड़ का धान घोटाला उजागर हुआ है। पूरे प्रदेश में हजारों करोड़ की गड़बड़ियां हुई है। जम्बूरी में 15 करोड़ की गड़बड़ी हुई है। राजिम कुंभ के टेंडर में भी भारी अनिमियता थी। जेम पोर्टल में जितनी भी खरीदी हुई सब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। भाजपा के बड़े नेता पर प्रदेश से 1500 करोड़ लेने का आरोप है। कोई ऐसा विभाग नहीं बचा है जहां भ्रष्टाचार नहीं हुआ हो। तमनार और हसदेव में जिस प्रकार से आम जनता का आक्रोश सामने आया। सरकार की कारगुजारी से जनता का ध्यान भटकाने कांग्रेस विधायक के खिलाफ षड्यंत्र रचा गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार के तानाशाही के खिलाफ विधायकों के खिलाफ की गई झूठी मुकदमे की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक लड़ेंगे, न्यायालय में भी लड़ेंगे ।

करोड़ों का धान चुहा खा गए, चुहेदानी को लेकर कांग्रेसजनों ने किया प्रदर्शन

रायपुर। करोड़ों का धान चुहे खा गए इसको लेकर आज कांग्रेस ने प्रदेश तथा राजधानी में प्रदर्शन किया। कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय चुहे दानी लेकर निकले और खाद्यमंत्री दयालदास बघेल के निवास की ओर निकले जहां रास्ते में ही रोक लिया गया। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने आरोप लगाया कि करोड़ों रूपए का धान चुहे खा गए हैं।जिसके चलते किसानों को परेशानी हो रही है। इसलिए हम चुहादानी खाद्यमंत्री को भेंट करने जा रहे हैं। पुलिस ने आज इन प्रदर्शनकारियों को रास्ते में रोक लिया गया है। प्रदर्शन के दौरान जिलाध्यक्ष भी उपसिथित थे। पूर्व विधायक ने आरोप लगया कि कवर्धा सहित अन्य जिलों में करोड़ों रूपए का धान चुहे खा गए हैं।

संपादकीय

जमानत का पैमाना

खालिद और इमाम पांच साल से जेल में हैं, जबकि निचली अदालत में मुकदमे की जिरह तक अभी शुरू नहीं हुई है। क्या यह सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी नहीं है कि वह ऐसी देर के लिए भी जवाबदेही तय करे? फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों के सिलसिले में गिरफ्तार नौजवानों की जमानत अर्जी पर फैसला सुनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने एक पैमाना कायम किया है। कोर्ट ने 'घटना में भागीदारी के श्रेणी क्रम' के आधार पर तय किया कि पांच अभियुक्तों को जमानत दे दी जाए, लेकिन उमर खालिद और शरजील इमान को यह लाभ नहीं मिल सकता। साथ ही कोर्ट ने नागरिक अधिकारों के लिहाज से यह चिंताजनक व्यवस्था दी कि अवैध गतिविधि निरोधक कानून (यूएपीए) से जुड़े मामले की सुनवाई में देर जमानत का आधार नहीं बन सकती। बेहतर होता कि कोर्ट इस पर भी कोई टिप्पणी करता कि यह देर आखिर किस हद तक स्वीकार्य हो सकती है? खालिद और इमाम पांच साल से अधिक समय से जेल में हैं, जबकि निचली अदालत में मुकदमे की जिरह तक अभी शुरू नहीं हुई है। क्या यह सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी नहीं है कि वह ऐसी देर के लिए भी जवाबदेही तय करे? वरना, मुकदमे की प्रक्रिया ही दंड बन जाती है। वैसे सवाल यह भी है कि जब निचली अदालत में साक्ष्य का न्यायिक परीक्षण अभी नहीं हुआ है, तो फिर यह किस आधार पर तय किया जा सकता है कि किसी घटना में किस अभियुक्त की भागीदारी का स्तर क्या था? बल्कि निचली अदालत में तो दिल्ली दंगों के कुछ मामलों में पेश चार्जशीट और पुलिस जांच की गुणवत्ता पर न्यायाधीशों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। मुकदमे की कार्यवाही में उपरोक्त अभियुक्तों से संबंधित मामलों के साक्ष्य नहीं टिके, तो उनके जीवन के जो वर्ष जेल में गुजर रहे हैं, उसकी कैसे भरपाई होगी? दिल्ली दंगों के पीछे किसका हाथ था, इस बारे में अभी सिर्फ अभियोग पक्ष की सोच सामने है। अभियुक्तों की सोच मुकदमे में जिरह के दौरान सामने आएगी। दंगों के पीछे कौन था और किसने क्या भूमिका निभाई, इन सभी मुद्दों पर अभी कुछ तयशुदा रूप में नहीं कहा जा सकता। इसलिए उसकी साजिश में भागीदारी या उसमें श्रेणीबद्ध भूमिका की सारी बातें फिलहाल इल्जाम ही है। मगर सुप्रीम कोर्ट ने इसे ही जमानत का पैमाना बनाया है। नागरिक स्वतंत्रताओं के लिए यह चिंताजनक खबर है।

पांच किलो अनाज लेने वालों की संख्या कम नहीं

हरिशंकर व्यास

साल की शुरूआत की खबर थी कि दिल्ली के चिड़ियाघर में 25 हजार से ज्यादा लोग पहुंचे। इंडिया गेट और आसपास पर एक लाख लोग जमा हो गए। दिल्ली की सड़कों पर ऐसा जाम लगा कि खान मार्केट से इंडिया गेट की दो किलोमीटर की दूरी तय करने में एक एक घंटा लगा। जम्मू कश्मीर में पहलगाम आतंकी हमले के बाद बने भय और आशंका के बावजूद हजारों लोग जम्मू कश्मीर पहुंचे। अकेले पहलगाम की खबर है कि आठ हजार कमरों की बुकिंग हुई थी। गुलमर्ग के होटलों में सौ फीसदी बुकिंग हुई। मनाली, शिमला, देहरादून आदि जगहों पर तो गाड़ियों की एंट्री रोक दी गई थी। जिन लोगों के पास होटल की बुकिंग थी उन्हीं की गाड़ी को शहर में प्रवेश की इजाजत थी। फिर भी हजारों लोगों की गाड़ियों से पूरा रास्ता जाम पड़ा रहा। महानगरों के मॉल भरे हुए थे और रेस्तरां में खाने के लिए घंटों की वेटिंग थी। यह भीड़ भारत की पहचान है, जो हर जगह है। खबर चली है कि जापान को पीछे छोड़ कर भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो गया। लेकिन पांच किलो अनाज लेने वालों की संख्या कम नहीं हो रही है। 80 करोड़ से ज्यादा लोग पांच किलो अनाज ले रहे हैं। अलग अलग राज्यों में महिला सम्मान के नाम पर शुरू हुई योजनाओं में भीड़ है। पुरुष भी महिला बन कर पैसे के लिए आवेदन कर रहे हैं। जिनका खेती से कोई लेना देना नहीं है वे भी किसान सम्मान के पैसे उठा रहे हैं। जिन राज्यों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर चल रहा है वहां बूथ लेवल अधिकारी भीड़ से घिरे हैं। हजारों लोग अपने पहचान और जन्म के दस्तावेज लेकर बीएलओ के पीछे घूम रहे हैं। नौकरी की भीड़ ऐसी है कि चपरासी की नौकरी के लिए एमए पास और एमबीए कर चुके लोग आवेदन कर रहे हैं। एक पद के लिए 10 हजार लोग आवेदन कर रहे हैं। गांवों की भीड़ निकल कर शहरों की ओर चल पड़ी है। शहरी जीवन के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा विकसित नहीं हो रहा है लेकिन शहरों में भीड़ बढ़ती जा रही है। शहरों में ऑफिस जाने वाले घंटों तक सड़कों पर ट्रैफिक में रहते हैं। ट्रेनों की भीड़ तो हर दिन दिखाई देती थी इस बार इंडिगो का संकट हुआ तो हवाई यात्रियों की भीड़ भी दिखी। शहरों के अमीर लोगों ने पहाड़ों और जंगलों पर हमला किया। वहां फार्म हाउस और रिसॉर्ट, आयुर्वेदिक चिकित्सालय, जिम आदि बन रहे हैं। इसका नतीजा है कि जंगली जानवर शहरों में लोगों के घरों तक पहुंचने लगे हैं। नए साल में और आने वाले कई सालों में यह भीड़ कम नहीं होने वाली है। यह भीड़ बढ़ती जाएगी। 140 करोड़ लोगों का देश डेढ़ सौ करोड़ का आंकड़ा छुएगा और उससे भी आगे जाएगा। हिंदू धर्म गुरुओं से लेकर नेता और सामाजिक संगठनों के लोग हिंदुओं से आबादी बढ़ाने की अपील कर रहे हैं। कम से कम तीन बच्चे पैदा करने का आह्वान किया जा रहा है। धर्म बचाने के लिए ऐसा करना जरूरी बताया जा रहा है। क्योंकि मुस्लिम आबादी बढ़ने की दर कम नहीं हो रही है। भारत में कामकाजी उम्र यानी 16 से लेकर 64 साल तक के लोगों की आबादी 50 करोड़ से ज्यादा है। लेकिन ज्यादातर के लिए कोई सम्मानजनक काम नहीं है। छोटे शहरों से लेकर राजधानी दिल्ली तक रोजगार के नाम पर ई रिक्शा की हुजूम है या रील बनाने वालों की भीड़ है या मोमोज, चाउमीन, छोले भटूरे और लिट्टी चोखा बेचने वालों की रेहड़ी है। दुखद है लेकिन दिलचस्प है कि देश के सबसे प्रतिष्ठित दिल्ली यूनिवर्सिटी के कॉलेजों में अनेक कोर्स में इस अकादमिक सत्र में सीटें खाली रह गईं। दाखिला कराने छात्र नहीं पहुंचे। देश में पांच हजार से ज्यादा ऐसे स्कूलों की पहचान हुई है, जहां एक भी छात्र नहीं हैं। दस से कम छात्रों वाले स्कूलों की संख्या 2022-23 में 52 हजार थी, जो 2024-25 में बढ़ कर 65 हजार हो गई है। सोचें, एक तरफ ऐसी बेहिसाब भीड़ और दूसरी ओर स्कूल, कॉलेजों में छात्र नदारद हैं!

पढ़ने की लौ एवं किताबों से नाता अटूट है

ललित गर्ग

53वें भारत मंडपम् में 10 से 18 जनवरी 2026 तक नौ दिनों के किताबों के जमावडे ने एक बात स्पष्ट कर दी है कि किताबों से नाता कभी नहीं टूट पायेगा। इस मेले में 35 से अधिक देशों के एक हजार से अधिक प्रकाशक भाग ले रहे हैं। यह भव्य विश्व पुस्तक मेला केवल पुस्तकों की खरीद-फ़रोख्त का आयोजन नहीं है, बल्कि यह उस जीवंत पुस्तक-संस्कृति का उत्सव है, जिसे अनेक लोग डिजिटल युग में कमजोर मानने लगे थे। एक-एक किलोमीटर लंबी कतारें, बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की उत्सुक भागीदारी और पुस्तकों के प्रति बढ़ता आकर्षण इस धारणा को स्वस्थ करता है कि पुस्तकें जीवन का अभिन्न हिस्सा रही हैं और भविष्य में भी रहेंगी। इंटरनेट, सोशल मीडिया एवं अन्य इलेक्ट्रोनिक माध्यमों पर अपार पाठ्य सामग्री एवं साहित्य उपलब्ध होने के बावजूद पुस्तक मेलों में इतनी भीड़ क्यों आ रही है? छपी हुई पुस्तकें एवं शब्द केवल ज्ञान, जिज्ञासा और मनोरंजन की विशाल दुनिया के दरवाजे नहीं खोलते, वे हमें गंध, स्पर्श, संवेदना, सोच, अनुभूति की प्रेरक, अनुकरणीय एवं रोमांचक दुनिया में भी ले जाते हैं। इस वर्ष के पुस्तक मेले के दृश्य पुस्तक-संस्कृति के प्रति नई आशा, नया विश्वास और नया उत्साह पैदा करते हैं। यह मेला स्पष्ट संकेत देता है कि पढ़ने की प्रवृत्ति केवल जीवित ही नहीं है, बल्कि नए पंखों के साथ उड़ान भर रही है।

पुस्तक मेला वस्तुतः एक विश्व उत्सव है-ऐसा उत्सव जो ज्ञान, विचार, कल्पना और संवाद को एक साझा मंच देता है। दुनिया भर में पुस्तकों के दायरे को पहचानने, उन्हें प्रोत्साहित करने और संस्कृतियों को जोड़ने के लिए यह आयोजन अतीत और भविष्य के बीच एक मजबूत कड़ी तथा पीढ़ियों और सभ्यताओं के बीच एक सेतु का कार्य करता है। यही कारण है कि यूनेस्को हर वर्ष पुस्तक उद्योग के तीन प्रमुख क्षेत्रों-प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता और पुस्तकालयों के अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर विश्व पुस्तक राजधानी का चयन करता है, ताकि पुस्तक-संस्कृति की प्रेरणा पूरे वर्ष बनी रहे। यह पहल इस बात का प्रमाण है कि पुस्तकें केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि वैश्विक संवाद और मानवीय एकता का भी आधार हैं। किताबें अपने सभी रूपों में-मुद्रित, ई-बुक, ऑडियो हमें सीखने, सोचने और स्वयं को सशक्त बनाने का अवसर देती हैं। वे हमारा मनोरंजन करती हैं, हमें दुनिया को समझने में मदद करती हैं और दूसरों की दुनिया में झांकने का अवसर देती हैं। इस साल का मेला 'भारतीय सैन्य इतिहासः वीरता और ज्ञान/75' थीम पर आधारित है, जो भारत की रक्षा बलों के महत्वपूर्ण पलों, योगदानों और कहानियों पर ध्यान केंद्रित करता है। 'थीम मंडप 2026' दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है। यह मंडप भारत की सैन्य विरासत के 75 वर्षों की ऐतिहासिक और निर्णायक यात्रा को दिखा रहा है, जिसकी जड़ें शौर्य, प्रज्ञा और नैतिक मूल्यों में निहित हैं. इसमें कथाओं, दृश्यात्मक प्रस्तुतियों और संवाद के माध्यम से 1947 से लेकर ऑपरेशन सिंदूर 2025 तक भारत की सैन्य यात्रा को रेखांकित करता है।

दिल्ली का विश्व पुस्तक मेला वैश्विक साहित्यिक परिदृश्य में एक प्रतीकात्मक उत्सव बन चुका है। इस मेले में विश्वप्रसिद्ध लेखकों का आगमन होता है, साहित्यिक संवाद, विमर्श और चर्चाएं होती हैं। विलियम शेक्सपियर, मिगुएल डे सर्वेंट्स जैसे विश्व साहित्य के स्तंभों से लेकर भारतीय भाषाओं के महान साहित्यकारों तक की रचनाएं यहाँ पाठकों को एक साथ उपलब्ध होती हैं। यह मेला भारतीय साहित्य को वैश्विक मंच देता है और साथ ही विश्व साहित्य को भारतीय पाठकों से जोड़ता है। पुस्तकों को 'ज्ञान का बाग' कहा गया है। जो व्यक्ति पुस्तकों से सच्ची दोस्ती कर लेता है, उसे जीवन भर ज्ञान का संबल मिलता है। कठिन समय में पुस्तकें मित्र की तरह साथ देती हैं, मार्गदर्शन करती हैं और समाधान की दिशा दिखाती हैं। पुस्तक का महत्व सार्वभौमिक, सार्वकालिक और सार्वदेशिक है। किसी भी युग में, किसी भी तकनीकी आंधी में उसका महत्व कम नहीं हो सकता। इंटरनेट, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी अनेक क्रांतियां आई हैं और आगे भी आएंगी, लेकिन पुस्तक-संस्कृति अपनी उपयोगिता और प्रासंगिकता बनाए रखेगी। कारण स्पष्ट है-पुस्तकें केवल सूचना नहीं देतीं, वे चिंतन, मनन और विवेक का विकास करती हैं।

तकनीक ने ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति अवश्य की है, लेकिन यह हर समय संभव नहीं कि किताबों के स्थान पर केवल स्क्रीन से पढ़ा जाए। पुस्तक का स्पर्श, उसकी सुगंध, पन्नों को पलटने का अनुभव और पढ़ते हुए होने वाला एकांत संवाद-ये सभी तत्व पुस्तक को विशिष्ट बनाते हैं। पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं, सोचने-समझने का दायरा बढ़ाती हैं और व्यक्ति को आत्मअनुशासन सिखाती हैं। पुस्तकें जाग्रत देवता के समान हैं। उनका अध्ययन, मनन और चिंतन तत्काल लाभ देता है। महात्मा गांधी के जीवन पर गीता, टॉल्स्टॉय और थोरो के विचारों का गहरा प्रभाव था। इसी तरह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैचारिक निर्माण और वैश्विक छवि के निर्माण में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वे स्वयं एक सजग पाठक रहे हैं और पुस्तक-संस्कृति को जीवंत करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' जैसे अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से पढ़ने, लिखने और विचार करने की संस्कृति को जन-जन तक पहुँचाया है। उनका संदेश 'बुकें दे, बुके नहीं' केवल एक प्रतीकात्मक नारा नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक दृष्टि है-जहाँ उपहार में फूलों के गुलदस्ते की बजाय ज्ञान का उपहार देने की प्रेरणा दी गई है। वे मानते हैं कि सत्साहित्य की शक्ति तोप, टैंक और परमाणु अस्त्रों से भी अधिक है, क्योंकि हथियार ध्वंस करते हैं, जबकि साहित्य मानव-मूल्यों में आस्था पैदा करता है और स्थायी परिवर्तन लाता है। सत्साहित्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनता है-ऐसा परिवर्तन जो सत्ता और कानून से किए गए परिवर्तनों से कहीं अधिक टिकाऊ होता है। इसी कारण प्रधानमंत्री मोदी भारत के परिवर्तन में पुस्तक-संस्कृति और सत्साहित्य की निर्णायक भूमिका को स्वीकारते हैं। उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, भारतीय भाषाओं को बढ़ावा, स्थानीय साहित्य का सम्मान और पठन-संस्कृति को प्रोत्साहन देने की दिशा में ठोस पहलें देखने को मिलती हैं।

पुस्तकें चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन हैं। उत्तम विचारों से युक्त पुस्तकों के प्रचार-प्रसार से युवाओं को नई दिशा दी जा सकती है। देश की एकता और अखंडता का पाठ पढ़ाया जा सकता है और एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पुस्तकें प्रेरणा का भंडार हैं, उन्हें पढ़कर व्यक्ति के भीतर कुछ महान करने की आकांक्षा जागती है। वे कल्पवृक्ष भी हैं और कामधेनु भी, क्योंकि उनकी छाया में मनुष्य अपनी आंतरिक क्षमताओं को पहचानता है। आज का इंसान घर बदलता है, पहनावा बदलता है, रिश्ते और मित्र बदलता है, फ़िर भी असंतुष्ट रहता है क्योंकि उसने पुस्तकरूपी कल्पवृक्ष की छाया छोड़ दी है। पुस्तकें व्यक्ति को बदलने का मार्ग दिखाती हैं-सोच, व्यवहार और दृष्टि को सकारात्मक दिशा देती हैं। जब तक व्यक्ति स्वयं को नहीं बदलता, वह अपनी मंज़िल नहीं पा सकता। आत्मानुशासन, आत्मचिंतन और आत्मविकास-ये सभी पुस्तक-संस्कृति की देन हैं।

इंटरनेट और ई-पुस्तकों की बढ़ती पहुँच के बावजूद छपी हुई किताबों का महत्व कम नहीं हुआ है। वे आज भी प्रासंगिक हैं और रहेंगी। हजारीप्रसाद द्विवेदी का कथन-साहित्य वह जादू की छड़ी है, जो पशुओं में, ईंट-पत्थरों में और पेड़-पौधों में भी विश्व की आत्मा का दर्शन करा देती है, आज भी उतना ही सार्थक है। निश्चित ही, विश्व पुस्तक मेला की प्रेरणा भारतीय जन-चेतना को झकझोर रही है और उन्हें नए भारत-सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में प्रेरित कर रही है। साररूप में यह कहा जा सकता है कि दिल्ली का विश्व पुस्तक मेला पुस्तक-संस्कृति और पढ़ने की प्रवृत्ति को नए पंख देने वाला एक अत्यंत उपयोगी और प्रासंगिक आयोजन है। इसका उद्घाटन करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने संबोधन में कहा कि पुस्तकें ज्ञान का वाहक हैं जो पीढ़ियों को जोड़ती हैं, सभ्यताओं की स्मृतियों को संजोती हैं और समाज को दिशा देती हैं। यह मेला केवल पुस्तकों का नहीं, विचारों का, संस्कारों का और भविष्य का मेला है-जहाँ शब्द समाज का निर्माण करते हैं और पन्ने इतिहास की दिशा तय करते हैं।

क्या पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को हाशिए पर डाला जा रहा है?

अजय दीक्षित

मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जैसे कांग्रेस की दुखती रग पर हाथ रख दिया है।140 वर्ष पहले की स्वतंत्रता संग्राम से निकली पार्टी 2025 में सबसे बुरे दिनों से गुजर रही है। दिग्विजय सिंह ने जैसे पूरे नेतृत्व को अयाना दिखाने का कार्य कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फोटो अपने × हैंडल से डाल कर पूछा है कि क्या कांग्रेस में जमीनी लोगों के बकत है ।जबकि भारतीय जनता पार्टी ने नरेंद्र मोदी, नितिन नवीन, विष्णु दत्त शर्मा, भजनलाल, नायब सिंह सैनी, रेखा गुप्ता, देवेंद्र फडणवीस जैसे युवाओं को मुख्यमंत्री बनाया है। पहले कपिल सिब्बल, फिर गुलामनबी आजाद, शशि थरूर, आनंद शर्मा, मनीष तिवारी, और अब दिग्विजय सिंह की भाषा कुछ अलग तरह के संकेत दे रही है। दिग्विजय सिंह ने तो जैसे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को सही ही नहीं बताया बल्कि कार्यशैली की प्रशंसा कर दी और यह भी बता दिया कि कैसे भारतीय जनता पार्टी में जमीनी लोगों की बकत है। उन्होंने एक चित्र भी साझा किया है कि नरेंद्र मोदी सरीखे लोग देश के प्रधानमंत्री बन सकते हैं। दिग्विजय सिंह आजकल कांग्रेस की लगातार हो रही चुनाव में हार से परेशान हैं।2024 में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 100 सीट जीतकर भारतीय जनता पार्टी का अश्वमेघ विजय अभियान कुछ धीमा किया था लेकिन बाद में महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा, बिहार के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जो गति हुई उससे दिग्विजय सिंह को निराशा हुई। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे आदि नेताओं को वे असफल मानते हैं। उन्होंने जो फोटो पोस्ट किया वह नेतृत्व परिवर्तन की ओर इशारा करता है कि राजनीत में नई पीढ़ी को मौका देना चाहिए। इसमें भारतीय जनता पार्टी के नितिन नवीन का अध्यक्ष बनने की प्रक्रिया भी शामिल है। दिग्विजय सिंह को राजनीतिक हलकों में कांग्रेस का नीति निर्धारक मानते हैं उन्होंने कश्मीर के नेता गुलाम नवी आजाद, केरल के नेता शशि थरूर, पंजाब के सांसद मनीष तिवारी, विदेश पूर्व मंत्री आनंद शर्मा को हाशिया पर भेजना बुरा माना है।वे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा, बिहार, में कांग्रेस का जीर्णोद्धार चाहते हैं। 75 वर्षीय राजनेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को राजनीतिक हलकों में कांग्रेस पार्टी का थिक टैंक माना जाता है और वह मौलिक राजनेता है। उन्होंने अपना राजनीतिक जीवन 1977 में एक अदने से कार्यकर्ता के रूप में शुरू किया और वे राधौगढ़ जैसी नगर पालिका में पार्षद बन कर अध्यक्ष बने। इसके बाद 1980 में राधौगढ़ से विधायक बने । तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह ने उन्हें सिंचाई मंत्री बनाया । पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर दिग्विजय सिंह 1993 में मप्र के मुख्यमंत्री बने और 10 वर्ष 2003 तक मुख्यमंत्री रहे।2019 में पहलीबार लोकसभा चुनाव भोपाल से लड़े और प्रज्ञा भारती से चार लाख मतों से हार गए।अभी मप्र से राज्य सभा सदस्य हैं।2026 में उनका कार्यकाल खत्म हो रहा है। उनके पुत्र जयवर्धन सिंह विधायक है।अब तक यह माना जाता था कि वह गांधी परिवार के नुमांइदों में से एक है। लेकिन 2020 में मप्र में कांग्रेस सरकार 18 महीने बाद गिरने के पीछे वे भी एक कारक थे। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह के हिसाब से सरकार चला रहे थे।यह सरकार गठन के बाद से ही विवाद में इस लिए घिर गई थी कि कुछ सीनियर विधायक मंत्री नहीं बन सके थे जबकि उनके पुत्र जयवर्धन सिंह, भांजे प्रियव्रत सिंह मंत्री बन गए थे। कमलनाथ सरकार गिरने का प्रमुख कारण यही था । लेकिन तत्कालीन समय में ज्योतिरादित्य सिंधिया की दिग्विजय सिंह के हिसाब से अनदेखी भी एक कारण थी । लड़ाई राज्यसभा को लेकर हुई क्योंकि ज्योतिरादित्य सिंधिया 2019 में लोकसभा चुनाव गुना से हार गए थे और अब वे राज्यसभा से जाना चाहते थे लेकिन उन्हें दूसरी वरीयता का टिकट दिया जिसे वे हार भी सकते थे। ज्योतिरादित्य सिंधिया इसे दिग्विजय सिंह की चाल ही मानते थे क्योंकि पहले वरीयता में दिग्विजय सिंह को टिकट दिया गया था। तिलमिला कर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने 18 विधायक के साथ बगावत कर दी और भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनवा दी ।

पर्यावरणः जान—माल के नुकसान की नेताओं को परवाह नहीं

योगेंद्र योगी

देश के समक्ष पर्यावरण परिवर्तन एक ऐसी चुनौती बन गई है, जिसकी कीमत हर साल हजारों लोगों की जान देकर और अरबों रुपयों के नुकसान से चुकानी पड़ती है। हर साल विकराल होती इस समस्या के नेता और राजनीतिक दल गंभीर दिखाई नहीं देते। वोट बैंक की राजनीति इस गंभीर समस्या पर भारी पड़ रही है। केंद्र और राज्यों की सरकारों के लिए यह समस्या प्राथमिक सूची में नहीं है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार साल 2025 के दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों में आपदाओं ने भयंकर कोहराम मचाया जिसमें सैकड़ों आम लोगों की जान चली गयी। बीते साल 2025 में प्राकृतिक आपदाओं के कारण देश में 2700 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। सबसे ज़्यादा मौतें उत्तर प्रदेश में रिकॉर्ड की गई, जबकि मध्य प्रदेश आपदा से हुई मौतों के मामले में दूसरे नंबर पर रहा। आंधी-तूफ़ान और बिजली गिरने की वजह से सबसे ज़्यादा मौतें बिहार में रिकॉर्ड की गई। उत्तर-पश्चिम भारत में, विशेषकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बड़ी संख्या में बदल फ्टने, भूस्खलन और फ़्लैश फ्लड जैसी आपदाओं ने भयंकर कोहराम मचाया। बीते साल 1901 के बाद पिछले 124 साल में से तीसरी सबसे अधिक रिकॉर्ड की गयी।अंतरराष्ट्रीय बीमा कंपनी स्विस रे की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में भारत को प्राकृतिक आपदाओं से 12 अरब अमेरिकी डॉलर (एक लाख करोड़ रुपये से अधिक) का नुकसान हुआ। यह 2013-2022 के औसत 8 अरब डॉलर से काफी ज्यादा था। स्विस रे की रिपोर्ट के अनुसार ये बड़े नुकसान उन क्षेत्रों में हुए जहां संपत्तियों और आर्थिक गतिविधियों की संख्या ज्यादा है। इस विश्लेषण में पाया गया कि भारत में पिछले दो दशकों में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले कुल वार्षिक नुकसान का लगभग 63 फीसदी हिस्सा बाढ़ से जुड़ा हुआ है। इसका कारण भारत की जलवायु और भौगोलिक स्थिति है। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय आपदा जोखिम न्यूनीकरण की रिपोर्टों के अनुसार भारत प्राकृतिक आपदाओं से सर्वाधिक आर्थिक नुकसान झेलने वाले शीर्ष देशों में से एक है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य रिपोर्टों के अनुसार भारत को चरम मौसम की घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं के कारण हर साल भारी आर्थिक नुकसान होता है, लेकिन यह आंकड़ा 7 अरब डॉलर से काफी अधिक है, जो हाल के वर्षों में बढ़कर 8.7 अरब डॉलर (2021 की रिपोर्ट के अनुसार) या इससे भी अधिक (जैसे 2023 में 12 अरब डॉलर) हो गया है, क्योंकि बाढ़, तूफान और सूखे जैसी आपदाएं बढ़ रही हैं। 2003-2012 के दशक के 3.8 अरब डॉलर के औसत से बढ़कर 2013-2022 के दशक में यह औसत 8 अरब डॉलर प्रति वर्ष हो गया है, जो 125त्न की वृद्धि है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में भारत को जलवायु-संबंधी खतरों से 87 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था।

क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स 2026 (सीआरआई) की नई रिपोर्ट के अनुसार, 1995ङ्क2024 की अवधि में भारत दुनिया के उन शीर्ष 10 देशों में रहा है, जिन्हें जलवायु परिवर्तन से जुड़े चरम मौसम-कार्यों (बाढ़, तूफान, हीटवेव, सूखा आदि) का सबसे ज़्यादा सामना करना पड़ा है। इस 30-वर्षीय अवधि में भारत में करीब 430 आपदाएं हुईं, जिनमें लगभग 80,000 लोगों की मौत हुई और 1.3 अरब से अधिक लोग प्रभावित हुए। अनुमानित आर्थिक हानि लगभग 170 अरब डालर रही। सीआरआई की रिपोर्ट बताती है कि भारत 'लगातार खतरे' की श्रेणी में आता है। देश में जलवायु आपदाएँ इतनी बार-बार हो रही हैं कि एक घटना के प्रभाव से पूरी तरह उबरने से पहले ही अगली आ जाती है। नहरों, हिमालयी नदियों, समुद्री तटीय इलाकों और कृषि-प्रधान क्षेत्रों के लिए यह विशेष रूप से चिंता की बात है। भारत में जलवायु परिवर्तन से सिर्फमौसम ही नहीं बिगड़ रहा, बल्कि यह बदलाव लोगों की सेहत पर भी सीधा हमला कर रहा है। इंस्टीट्यूट ऑफइकोनॉमिक ग्रोथ से जुड़े शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए इस अध्ययन के मुताबिक भारत के जलवायु संवेदनशील जिलों में बच्चों के कुपोषित होने का खतरा अन्य जिलों की तुलना में 25 फीसदी अधिक है। इन जिलों में महिलाओं के घर पर प्रसव और बच्चों के ठिगने होने की आशंका भी अधिक है। मतलब कि जलवायु संकट का सीधा असर मां और शिशु के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इस कड़ी में दिल्ली के इंस्टीट्यूट ऑफइकोनॉमिक ग्रोथ के शोधकर्ताओं ने अपने एक नए अध्ययन में भारत में जलवायु संकट और स्वास्थ्य के बीच गहरे संबंध को उजागर किया है। अध्ययन से पता चला है जलवायु जोखिम वाले जिलों के बच्चों के कुपोषित होने की आशंका 25 फीसदी अधिक है, यानी इन जिलों में बच्चों का वजन उम्र के अनुपात में सामान्य से कम होने का खतरा कहीं ज्यादा है। यूनेस्को की एक नई रिपोर्ट ने यह खुलासा किया है कि अत्यधिक गर्मी के कारण बच्चे अपनी पढ़ाई में डेढ़ साल तक पीछे रह सकते हैं। जलवायु परिवर्तन की वजह से बाढ़, जंगल की आग, गर्मी और तूफान जैसी आपदाओं ने पिछले 20 सालों में 75त्न मामलों में स्कूल बंद करवाए हैं। बांग्लादेश, दक्षिण सूडान और भारत जैसे देशों में बच्चे स्कूल नहीं लौट पाते, क्योंकि उनके घर, स्कूल और मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। भारत में 15 लाख से ज्यादा स्कूल हैं, जिनमें से कई में न तो पंखे हैं और न ही ठंडक की कोई व्यवस्था। शहरों में, कम आय वाले इलाके खराब शहरी नियोजन और हरियाली की कमी के कारण असमान रूप से प्रभावित होते हैं। ग्रामीण इलाकों और गरीब बस्तियों में स्थिति और खराब है। इन तमाम रिपोर्टों से जाहिर है कि नए साल और आने वाले भविष्य में पर्यावरणीय चुनौतियां और भी गंभीर होंगी। इसकी फिक्र नेताओं और राजनीतिक दलों को नहीं है। उन्हें यदि फिक्र है तो ऐसे तात्कालिक मुद्दों की जिनसे वोट बटोरा जा सके। देश चलाने वालों ने वक्त रहते इन समस्याओं के प्रति यदि गंभीर रुख नहीं अपनाया तो यह हालात देश को भयानक अंधकार की तरफले जाने वाले साबित होंगे।

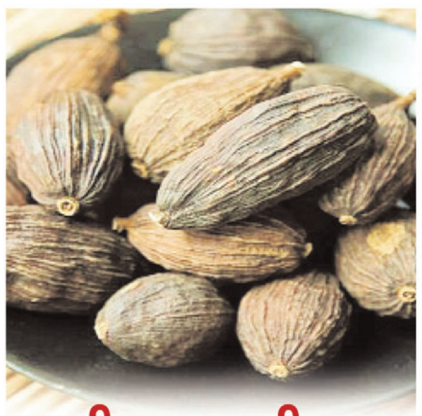

बड़ी इलायची खाने से मिलेंगे बेमिसाल फायदे

भारतीय रसोई में मौजूद मसाले खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ सेहत को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं। इन्हीं में बड़ी इलायची पोषक तत्व, एंटी-ऑक्सीडेंट्स, एंटी-माइक्रोबियल, एंटी-इंफ्लेमेंट्री आदि गुणों से भरपूर होती है। इसे काली या भूरी इलायची भी कहा जाता है। इसके सेवन से इम्यूनिटी व पाचन तंत्र मजबूत होता है। ऐसे में बीमारियों से लड़ने की शक्ति मिलती है। साथ ही पेट संबंधी समस्याओं से बचाव रहता है। .

अस्थमा में फायदेमंद

इसका सेवन करने से सांस संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। यह फेफड़ों को साफ करके उसे बेहतर तरीके से सांस लेने में मदद करती है। ऐसे में अस्थमा के मरीजों को इसका सेवन करना चाहिए।

कैंसर का खतरा करें कम

बड़ी इलायची में मौजूद पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण कैंसर की कोशिकाओं को पनपने से रोकते हैं। ऐसे में इस गंभीर बीमारी की चपेट में आने का खतरा कई गुणा कम रहता है।

एसिडिटी से राहत दिलाए

आजकल लोगों को एसिडिटी की समस्या अधिक हो रही है। इसके पीछे का कारण ज्यादा मसालेदार व ऑयली खाने का सेवन करना है। इसके कारण एसिडिटी, अपच व पेट संबंधी अन्य समस्याएं होने लगती है। ऐसे में इससे बचने के लिए डेली डाइट में बड़ी इलायची सेवन करना फायदेमंद माना गया है। इसके सेवन से एसिडिटी की परेशानी दूर होकर पाचनतंत्र दुरुस्त रहने में मदद मिलती है।

सिर व शरीर दर्द से दिलाए छुटकारा

सिरदर्द से राहत दिलाने में भी काली इलायची कारगर मानी गई है। इसके सेवन से सिर व शरीर के किसी भी हिस्से का चुटकियों में ठीक हो जाते हैं। इसके साथ ही सुस्ती, आलस व थकान से भी आराम मिलता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार काली इलायची के पाउडर को शहद के साथ खाने से शरीर का दर्द मिनटों में दूर हो जाता है।

इम्यूनिटी बढ़ाए

काली इलायची पोषक तत्व, एंटी-ऑक्सीडेंट व औषधीय गुण होते हैं। इसका सेवन करने से इम्यूनिटी बढ़ने में मदद मिलती है। ऐसे में इसका सेवन सर्दी-जुकाम, खांसी की समस्या से बचाव रहता है।

मुंह की दुर्गंध भगाए

अक्सर कई लोगों को मुंह से दुर्गंध आने की परेशानी होती है। ऐसे में बड़ी इलायची को चबा-चबाकर खाने से फायदा मिलता है। यह मुंह की बदबू दूर करने में कारगर मानी जाती है।

क्या आप भी हाइपरथायरायडिज्म की समस्या से जूझ रहे हैं

आज के समय में हाइपरथायरायडिज्म की समस्या से बहुत से लोग पीड़ित होते हैं। इस स्थिति में थायरॉयड ग्रंथि आवश्यकता से अधिक थायरॉयड हार्मोन का उत्पादन करने लगती है।

आज के समय में हाइपरथायरायडिज्म की समस्या से बहुत से लोग पीड़ित होते हैं। इस स्थिति में थायरॉयड ग्रंथि आवश्यकता से अधिक थायरॉयड हार्मोन का उत्पादन करने लगती है। जिसकी वजह से शरीर में कई तरह की दिक्कते होने लगती हैं, जैसे अनिद्रा, हार्ट रेट का फ्लकचुएट होना, कमजोरी महसूस होना, वजन घट जाना, कंपकंपी होना, दस्त और थायराइड का बढ़ना आदि। लेकिन आज के समय में ऐसी किसी भी स्थिति में घबराने की बात नहीं होती। क्योंकि ऐसी ढेरों दवा या खाद्य सामग्री होती हैं, जो थायराइड से संबंधित समस्या और उसके लक्षणों को कम कर सकती है। हमारे बड़े बुजुर्ग भी अक्सर कहा करते थे, कि अच्छा खाना ही आपको बीमारियों से लड़ने की शक्ति भी देता है और बचाकर भी रखता है। तो चलिए जानते हैं कि आखिर थायरॉयडिज्म की स्थिति से जूझने वाले लोगों के लिए क्या खाना सही है और क्या खाना गलत।

न्यूट्रिएंट रिच फूड खाएं

इस स्थिति से निपटने के लिए आपको ऐसी खाद्य सामग्री का सेवन भी करना होगा। जिनके अंदर कई तरह के विटामिन-मिनरल्स और खनिज पदार्थ शामिल हों। इसके लिए आप मशरूम, ड्राई फ्रूट्स, सीड्स, एवोकाडो, आदि का सेवन कर सकते हैं। इन खाद्य सामग्रियों के अंदर मौजूद कैल्शियम, जिंक, आयरन जैसे तत्व आपको सूजन से भी बचाते हैं और आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बेहतर करते हैं। यही नहीं इन खाद्य सामग्रियों के जरिए हड्डियां भी तंदुरुस्त रहती हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

अगर आज किसी भी बड़े बुजुर्ग से पूछेंगे कि सेहतमंद रहने के लिए कौन सी सब्जी सबसे ज्यादा फायदेमंद है। यही नहीं बल्कि विज्ञान और आयुर्वेद भी हरी पत्तेदार सब्जी की ही पैरवी करते हुए दिखाई देंगे। पर अगर आपको थायराइड से जुड़ी कोई समस्या है तो आपके लिए हरी पत्तेदार सब्जियों में भी वह अधिक फायदेमंद होंगी, जो ब्रैसिसेकी के परिवार से आती है, जैसे ब्रोकोली, ब्रसेल्स स्प्राउट्स, बोक चोय, काले, फूलगोभी, शलजम आदि। आपको बता दें कि यही सब्जियां है जो आयोडीन का उपयोग शरीर में सुचारू ढंग से चला सकती हैं।

करें इन मसालों का सेवन

भारतीय रसोई के भीतर सदियों से ढेरों मसालों को उपयोग खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए किया जाता है। वहीं आयुर्वेद के नजरिए से शामिल किए जाने वाले यह मसाले पोषक तत्वों का खजाना होते हैं, जो कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का अंत कर सकते हैं। वहीं ऐसा ही कुछ अब विज्ञान भी मानने लगा है। अगर आपको थायराइड से जुड़ी दिक्कतों से पार पाना है तो आप अदरक, हल्दी, काली मिर्च, लौंग और मिंट का सेवन कर सकते हैं। इन मसालों के अंदर कई एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो आपकी थायराइड की समस्या और उसके लक्षणों को कम कर सकते हैं।

क्या ना खाएं

ऐसा कहा जाता है जिस तरह एक सही डाइट आपकी समस्याओं को हर लेती है। उसी तरह कुछ गलत चीजें आपकी छोटी मोटी दिक्कतों को बड़ी समस्याओं में तब्दील कर देती हैं। इसलिए जितना जरूरी यह है कि आपको क्या खाना चाहिए, उससे कहीं ज्यादा जरूरी है कि आपको क्या नहीं खाना चाहिए। आइए जानते हैं ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में जो आपको थायराइड की समस्या के दौरान बिल्कुल भी नहीं खानी चाहिए।

आयोडीन युक्त पदार्थ

अगर आप थायराइड से संबंधित समस्या से लड़ रहे हैं तो ऐसे में जरूरी है कि आप आयोडीन युक्त खाद्य सामग्री का सेवन कम से कम करें या बिल्कुल भी ना करें। क्योंकि अगर आप आयोडीन युक्त पदार्थों का सेवन करते हैं तो इससे ग्रेव्स डिजीज नाम की एक ऑटो इम्यून स्थिति पैदा हो जाती है। इसलिए आयोडीन युक्त पदार्थ का सेवन नहीं करना चाहिए, जैसे दूध, पनीर, एग योल्क और मक्खन आदि।

ग्लूटेन युक्त सामग्री

थायराइड की समस्या से परेशान व्यक्ति को ग्लूटेन युक्त खाद्य सामग्री का सेवन नहीं करना चाहिए। दरअसल इसकी वजह से शरीर में रोगी को सूजन और एलर्जी की समस्या हो सकती है। आमतौर पर घरों के अंदर इस्तेमाल किया जाने वाला गेहूं माल्ट और खमीर के अंदर ग्लूटे होता है। इसलिए इस तरह के पदार्थों से दूरी बनाकर रखें।

सोया

सोया उत्पाद का सेवन भी थायराइड की स्थिति में नहीं करना चाहिए। हालांकि इसके अंदर आयोडीन नहीं होता लेकिन हाल ही में टोफू को लेकर कई अध्ययन हो चुके हैं। यह अध्ययन बताते हैं कि सोया थायराइड की स्थिति को बिगाड़ सकता है। इसलिए इसके सेवन से पूरी तरह बचें।

कैफीनयुक्त पेय पदार्थ

आमतौर पर घरों या दफ्तरों में लोग चाय, कॉफी या चॉकलेट का सेवन करते हैं, जिनमें कैफीन होता है। इनके सेवन से घबराहट, चिड़चिड़ापन, और हार्ट रेट बढ़ सकता है। जो हाइपरथायरायडिज्म की स्थिति के लक्षणों को बढ़ाने का कार्य कर सकता है। अगर आपको यह समस्या है और आप सुबह की शुरुआत में ही चाय या कॉफी का सेवन करते हैं तो आप इसकी जगह हर्बल चाय, पानी या सेब के सिरके का पानी में मिलाकर सेवन कर सकते हैं।

खाली पेट खट्टे फलों के सेवन से हो सकते हैं नुकसान

सुबह का नाश्ता हम सभी के लिए जरूरी है और ब्रेकफास्ट में हम सभी का खान-पान अलग वैरराइटी का होता है। जैसे किसी को सुबह के नाश्ते में पोहा और उपमा खाना पसंद है तो कोई भीगे चने या फिर फलों का सेवन करता है। नाश्ते की तस्वीरों में संतरे का रस, क्रोइसैन और ब्रेड दिखने में बहुत आकर्षक लग सकते हैं, लेकिन क्या वास्तव में ऐसी चीजें सुबह खाली पेट खाने से हमारी सेहत को लाभ मिलते हैं? चूंकि खट्टे फलों में एसिड पाया जाता है, जो हमारे एंगर यानी गुस्से का कारण हो सकता है। इसी तरह, खमीर युक्त ब्रेड भी पेट की सेहत को प्रभावित कर सकती है, जो भविष्य में गैस्ट्रिक की समस्या का कारण बन सकती है। इसलिए यहां हम कुछ ऐसे फूड आइटम्स के बारे में आपको जानकारी दे रहे हैं जिनके खाली पेट सेवन करने से आपको कई स्वस्थ्य लाभ मिलते हैं।

पपीता

मल त्याग को कंट्रोल करने के लिए पपीता का सेवन सही विकल्प है। खाली पेट खाने के लिए पपीपा एक सुपरफूड है। सबसे दिलचस्प बात ये है कि पपीता 12 माह यानी पूरे साल बाजार में मिलता है, इसलिए आप हमेशा के लिए इसे अपने सुबह के नाश्ते में शामिल कर सकते हैं। ये फल न केवल शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर करने में मदद करता है बल्कि खराब कोलेस्ट्रॉल को भी कम करता और दिल की बीमारियों के जोखिम से बचाव करता है।

तरबूज

सुबह के नाश्ते में खट्टे फलों को छोड़ आप एप्पल जैसे दूसरे फलों को शामिल कर सकते हैं और तरबूज इस सूची में सबसे ऊपर है। 90% पानी से बना यह फल शरीर को हाइड्रेशन की एक बड़ी खुराक प्रदान करता है। यह न केवल शुगर क्रेविंग को रोकता है बल्कि इसे खाने से हम अतिरिक्त कैलोरी भी नहीं लेते। तरबूज इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर होता है और इसमें अधिक मात्रा में लाइकोपीन यौगिक भी होता है जो हृदय व आंखों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

नट्स

हेल्दी गट यानी स्वस्थ्य आंत के लिए नाश्ते में मुट्ठी भर नट्स खाना बहुत जरूरी है। यह न केवल पाचन में सुधार करते हैं बल्कि आपके पेट के पीएच लेवल को भी सामान्य करते हैं। आप अपनी डेली डाइट में किशमिश, बादाम और पिस्ता को शामिल कर सकते हैं। हालांकि, आपको इन्हें कम मात्रा में ही खाएं, क्योंकि इसकी अधिक खाने से पिंपल्स और वजन बढ़ सकता है।

पोरिज

यदि आप कम कैलोरी और अधिक मात्रा के पोषक तत्वों वाला नाश्ता खाना पसंद करते हैं तो पोरिज एक बढ़िया विकल्प है। खासकर दलिया से बना पोरिज सुबह के नाश्ते का सुपरफूड है, जो स्वाद में भी लाजवाब है और सेहत के लिए हेल्दी भी है। खाली पेट पोजिर खाने से भी शरीर के टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं और आंतों की सेहत भी हेल्दी रहती है। दलिया खाने से आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है जिससे आप अतिरिक्त खाने से भी बचते हैं।

आपका हो गया हार्ट फेल, शरीर देता है 5 लक्षण, अटैक आने से पहले करें ये काम

अगर आपको हमेशा सांस फूलना, लगातार थकान, पैरों या टखनों में सूजन, धड़कन का तेज या अनियमित होना और रात में खांसी या घरघराहट जैसे लक्षण महसूस होते हैं, तो यह संकेत है कि आप हार्ट फेल हो गया है या होने वाला है। हार्ट फेलियर एक ऐसी कंडीशन है जो किसी को भी हो सकती है। इसका मतलब यह नहीं कि आपका दिल रुक गया है, बल्कि इसका अर्थ है कि आपका दिल शरीर की जरूरतों के अनुसार पर्याप्त रूप से खून नहीं पंप कर पा रहा है। यह समस्या उतनी आम है, जितनी लोग सोचते भी नहीं। हर 5 में से 1 व्यक्ति को अपने जीवन में कभी न कभी हार्ट फेलियर हो सकता है. हार्ट फेलियर कुछ कैंसर जितना ही गंभीर हो सकता है। अगर समय पर इलाज न मिले तो हर 2 में से 1 व्यक्ति डायग्नोसिस के 5 साल से ज्यादा नहीं जी पाता।

हार्ट फेलियर से कैसे बचें?

डॉक्टर के अनुसार, अच्छी बात यह है कि सही इलाज, दवाओं और जीवनशैली में बदलाव से हार्ट फेलियर के मरीज लंबे और बेहतर जीवन जी सकते हैं। चलिए समझते हैं कि आप इस कंडीशन को कैसे समझ सकते हैं और कैसे

हार्ट फेलियर क्या है?

डॉ. के अनुसार, हार्ट फेलियर का मतलब है कि दिल उतनी ताकत से खून पंप नहीं कर पा रहा जितनी शरीर को जरूरत है। इसका मतलब दिल का रुक जाना नहीं होता, बल्कि यह है कि दिल कमजोर पड़ गया है।

हार्ट फेलियर के लक्षण

अगर आपको रोजमर्रा के काम करते समय या लेटते वक्त सांस फूलने लगे, लगातार थकान महसूस हो, पैरों, टखनों या पांवों में सूजन दिखाई दे, धड़कन तेज या अनियमित हो जाए और खांसी या सांस में घरघराहट बनी रहे, तो ये सभी संकेत दिल की कमजोरी यानी हार्ट फेलियर के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। ऐसे लक्षणों को हल्के में न लें और तुरंत डॉक्टर से जांच करवाएं।

किन लोगों को खतरा है?

हार्ट फेलियर का खतरा किसी को भी हो सकता है, लेकिन कुछ लोगों में यह जोखिम अधिक होता है। जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग या ब्लॉकेज की समस्या है, डायबिटीज के मरीज हैं, मोटापे से परेशान हैं, धूम्रपान करते हैं या ज्यादा मात्रा में शराब पीते हैं, उन्हें दिल कमजोर होने का खतरा दूसरों की तुलना में कहीं ज्यादा रहता है। हार्ट फेलियर से बचाव के लिए जीवनशैली में कुछ सरल बदलाव करना बहुत जरूरी है। वजन को कंटोल रखें, रोजाना नियमित व्यायाम करें, कम नमक वाला बैलेंस डाइट लें,स्मोकिंग और शराब से पूरी तरह दूरी बनाएं और तनाव को नियंत्रण में रखें। ये आदतें दिल को मजबूत बनाती हैं और हार्ट फेलियर के खतरे को काफी हद तक कम कर सकती हैं।

डॉक्टर को कब दिखाएं?

अगर आपको बिना वजह थकान महसूस हो रही है, सांस फूल रही है या पैरों में सूजन दिख रही है, तो इसे हल्के में न लें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

खबर-खास

अहिवारा विधानसभा में क्रान्ति सेना का जोरो पर सदस्यता अभियान

अहिवारा(समय दर्शन)। अहिवारा विधानसभा क्षेत्र में लगातार छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी का सदस्यता अभियान तेजी से बढ़ रहा है 7 देऔरझाल, बासिन, हिंगनाडीह और कोडिया में जम कर चला सदस्यता अभियान 7 जनता भी इस छत्तीसगढ़िया वादी पार्टी को खूब समर्थन कर रही है 7 छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के कार्यकर्ताओ ने कहा कि बहुत जल्द छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़िया राज स्थापित होगा और इसी संकल्प के साथ इस सदस्यता अभियान को और मजबूती दी जा रही है 7 जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी अहिवारा नगर के अध्यक्ष मुकेश साहू एवम सचिव भीखम साहू निरंतर संघठन विस्तार का कार्य कर रहे है 7 यह कार्य दुर्ग जिला पदाधिकारी के दिशा निर्देश में हो रहा है।

गुरुकुल स्कूल में मकरसंक्रांति, पोंगल एवं लोहड़ी की धूम

कवर्धा (समय दर्शन)। जनपद की सुप्रतिष्ठित अंग्रेजी माध्यम शाला गुरुकुल पब्लिक स्कूल शिक्षा एवं संस्कार को एकमेव ध्येय के रुप में स्वीकार कर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के पथ पर अग्रसर है। इसलिए विद्यालय में विभिन्न पर्व व त्योहार को सोल्लास मनाया जाता है, जिससे विद्यार्थीगण इनसे परिचित हो सकें। इसी कड़ी में विद्यालय में मकर संक्रान्ति, पोंगल एवं लोहड़ी को मनाने के लिए विशेष सभा का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी शिक्षक डॉक्टर विजय कुमार शाही ने बताया कि छात्रा अर्तिका पात्रो तथा तीशा पारख ने मकर संक्रान्ति, पोंगल एवं लोहड़ी के महत्व से अवगत कराया। कक्षा छठवीं की छात्रा शेरीष ने लोहड़ी पर सस्वर कविता पाठ कर सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रश्नोत्तरी की प्रस्तुति छात्रा स्नेहल श्रीवास्तव ने सभी के सामान्य ज्ञान की जाँच की। संगीत विभाग के विद्यार्थियों ने सुमधुर गीत प्रस्तुत किया। हरगुन कौर मुटरेजा, सेम्मी माहेश्वरी, गुरमन पाहुजा तथा प्रबलीन सलूजा के द्वारा गीद्दा नृत्य की प्रस्तुति ने सभी को थिरकने के लिए मजबूर कर दिया ।मंच संचालन छात्रा आर्याही तिवारी के द्वारा किया गया। कमांडिंग छात्र देवांश जैन तथा प्रणव तिवारी ने की। आजाद सदन की प्रभारी शिक्षिका विद्या बंजारे तथा शिक्षक डॉ विजय कुमार शाही के मार्गदर्शन में कार्यक्रम सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ। प्राचार्य मनोज कुमार राय, संस्था अध्यक्ष तथा समस्त पदाधिकारीगण ने सभी को मकर संक्रान्ति, पोंगल एवं लोहड़ी की बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रदान की हैं।

4 को संपन्न होगी 21 दिनों की जलसाधना

राजनाँदगाँव (समय दर्शन)। सँस्कारधानी नगरी के इतिहास में सँभवत: पहली बार जलसाधना की जा रही है। ऐसा डोंगरगाँव रोड़ स्थित श्री

कल्याणिका देवस्थानम में परम आदरणीय गुरूदेव निर्वाण अनँतानँद उदासीन द्वारा किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि माँ भगवती, नर्मदा मैय्या और उदासीन आचार्य बाबा श्री चँद्रदेव जी की कृपा से तपस्वी बाबाश्री कल्याण दास जी महराज की सत्प्रेरणा से उनके परम शिष्य निर्वाण अनँतानँद उदासीन इन दिनों यह जलसाधना कर रहे हैं। जलसाधना की शुरूआत उन्होंने 15 जनवरी से की है। 15 जनवरी से 4 फरवरी तक प्रतिदिन ब्रह्ममुहूर्त में सुबह 4 बजे से निर्वाण अनँतानँद उदासीन जी महराज जलसाधना में जुट जाते हैं। 21 दिवसीय जलसाधना का मुख्य उद्देश्य जनकल्याण है। जलसाधना का समापन 4 फरवरी को होगा। समापन दिवस पर पूजन व अरदास का धार्मिक कार्यक्रम रखा गया है।

बसंतपुर में पांच दिवसीय मकर संक्रांति मेला का हुआ शुभारंभ

बिर्रा (समय दर्शन)। जनपद पंचायत बम्हनीडीह के अंतर्गत चित्रोतपला महानदी गंगा के तट पर बसे ग्राम बसंतपुर में दिनांक 14 जनवरी दिन बुधवार को दिनेश कुमार चंद्रा समाज सेवक एवं उद्योगपति और संचालक देव पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल बसंतपुर रोड बिर्रा के द्वारा विधिवत फीता काटकर शुभारंभ किया गया है। इस अवसर पर आचार्य पंडित कन्हैयालाल दुबे एवं मेला राम चौहान सरपंच ग्राम पंचायत बसंतपुर के साथ पंचायत पदाधिकारी और ग्राम के वरिष्ठ नागरिकों के समक्ष माघ मेला का शुभारंभ किया गया है। मकर संक्रांति मेला में पहुंचने वाले लोगों के लिए झूला एवं व्यंजन और मनोरंजन के लिए कई प्रकार के दुकाने लगाई गई है।

आवास योजना के राशि को रोजगार सहायक द्वारा किया जा रहा गबन

बसना (समय दर्शन)। जनपद पंचायत बसना अंतर्गत ग्राम पंचायत बीरसिंगपाली में आवास योजना के क्रियान्वयन को लेकर गंभीर आरोप सामने आया है। ग्रामीण ने अनुविभागीय अधिकारी(राजस्व) बसना को लिखित आवेदन देकर ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक पर आवास हितग्राहियों के नाम पर फर्जीवाड़ा कर राशि गबन करने का आरोप रोजगार सहायक पर लगाया है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम पंचायत बीरसिंगपाली की रोजगार सहायक द्वारा पिछले लगभग पाँच वर्षों से आवास योजना में अनियमितताएं की जा रही हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार अपने परिवारजनों एवं करीबी रिश्तेदारों के नाम पर आवास स्वीकृत कराकर भुगतान राशि को कथित रूप से गलत तरीके से आहरित किया गया है। आरोप है कि वास्तविक हितग्राहियों के स्थान पर अन्य नामों से भुगतान कर राशि का दुरुपयोग किया गया है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि रोजगार सहायक द्वारा पंचायत में दबदबा दिखाकर कार्य किया जाता है तथा विरोध करने पर हितग्राहियों व ग्रामीणों पर अभद्र भाषा का प्रयोग करने के आरोप लगाए गए हैं। आवेदन में ग्राम पंचायत स्तर पर सरपंच व पंचायत की भूमिका पर भी प्रश्न उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने अनुविभागीय अधिकारी से मामले की विस्तृत जांच कर दोषी पाए जाने पर अनुशासनात्मक व कानूनी कार्रवाई तथा गबन की गई राशि की वसूली की मांग की है। आवेदन की प्रतिलिपि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बसना,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत महासमुंद,जिला कलेक्टर महासमुंद एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि को भी भेजी गई है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार,आवेदन प्राप्त होने के बाद मामले की प्रारंभिक समीक्षा की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि,जांच के पश्चात ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

दुर्ग पुलिस की समीक्षा बैठक में अपराध नियंत्रण पर फ़ोकस, महिला कमांडो गठन के निर्देश

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल ने पुलिस कंट्रोल रूम, सेक्टर-6 भिलाई में जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में अपराध नियंत्रण, लंबित प्रकरणों के निराकरण और अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पूर्व वर्षों से लंबित मर्ग, शिकायतों और साइबर अपराध से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि ठोस साक्ष्य संकलन कर प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए। उन्होंने पुलिस एवं जनता के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

बैठक में जिले में महिला सुरक्षा को सशक्त बनाने के लिए महिला कमांडो के गठन के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही सक्रिय चाकूबाजों, नशेड़ियों और निगरानी बदमाशों की सूची तैयार कर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के आदेश दिए गए। एसएसपी ने अवैध शराब के विक्रय और परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों पर सख्ती से कार्रवाई बढ़ाने के निर्देश भी दिए।

इसके अलावा, पूर्व में लंबित साइबर फ्रॉड के मामलों का शीघ्र निराकरण करने, अपराधियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखने और अवैध कार्यों में शामिल आरोपियों के खिलाफठोस कदम उठाने पर विशेष बल दिया गया।

इस समीक्षा बैठक में नगर पुलिस अधीक्षक दुर्ग हर्षित मेहर, नगर पुलिस अधीक्षक छावनी प्रशांत पैकरा, एसडीओपी पाटन अनूप लकड़ा, उप पुलिस अधीक्षक रक्षित केंद्र चंद्र प्रकाश तिवारी, नगर पुलिस अधीक्षक नेवई भारती मरकाम, उप पुलिस अधीक्षक आकर्षि कश्यप सहित जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

बसना विधायक ने क्षेत्र के लकवाग्रस्त महिला के लिए मुख्यमंत्री संजीवनी कोष से कराये 5 लाख की मदद

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने निभाया 'जनसेवक' का धर्म

बसना (समय दर्शन)। जनसेवा और संवेदनशीलता के पर्याय बन चुके बसना विधानसभा के लोकप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे अपने क्षेत्र की जनता के सुख-दुख के सच्चे साथी हैं। उनकी विशेष पहल पर, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गंभीर बीमारी से जूझ रही ग्राम बड़ेटेमरी की एक निर्धन महिला के उपचार हेतु 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

गंभीर बीमारी और परिवार की विवशता

मामला बसना विकासखंड के ग्राम बड़ेटेमरी का है, जहाँ श्रीमती बसंती साव (पति प्रेमकुमार साव) बीते लंबे समय से दोनों पैरों के पैरालिसिस (लकवा) की गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं। महिला की स्थिति इतनी दयनीय है कि वे चलने-फिरने में पूरी तरह अक्षम हैं। रायपुर के एम्स, मेकाहारा और श्री बालाजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार

के बाद डॉक्टरों ने उनके पूर्ण इलाज के लिए 6.40 लाख रुपये का अनुमानित खर्च बताया था। पीड़ित परिवार भूमिहीन है और आर्थिक रूप से इतना सक्षम नहीं था कि वह इतनी बड़ी राशि जुटा सके। परिवार के सामने इलाज बीच में ही रुक जाने का संकट खड़ा हो गया था।

विधायक डॉ. अग्रवाल का मानवीय दृष्टिकोण

जैसे ही यह मामला विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के संज्ञान में आया, उन्होंने इसे अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी माना। उन्होंने तत्काल प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर वस्तुस्थिति से अवगत कराया। विधायक डॉ. अग्रवाल ने पत्र में परिवार की निर्धनता और बीमारी की गंभीरता का हवाला देते हुए 'मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद' से विशेष आर्थिक मदद का पुरजोर आग्रह किया।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के आग्रह पर त्वरित संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 5 लाख रुपये की सहायता राशि मंजूर की। इस पर आभार व्यक्त करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार संवदेनशील और अंत्योदय को समर्पित है। मेरे विधानसभा क्षेत्र का हर नागरिक मेरा परिवार है और उनके दुख-दर्द को दूर करना मेरा प्रथम कर्तव्य है। श्रीमती बसंती साव के इलाज में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। मैं मुख्यमंत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस गरीब परिवार को नया जीवन दान दिया है।

कांग्रेस ने बीजेपी को लिया आड़े हाथों

भाजपा जिलाध्यक्ष द्वारा बुजुर्ग व्यापारी के साथ कि गई मारपीट अशोभनीय हरकत

कांग्रेस ने पुलिस से की कड़ी कार्यवाही की मांग

बुधवार रात को भी गीदम थाने में भाजपाइयों ने किया जमकर हंगामा, पत्रकार के साथ की गई गाली गलौज

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। जिला कांग्रेस कमेटी दंतेवाड़ा द्वारा गुरुवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर गीदम के व्यापारी चांडक मल सोनी के साथ दंतेवाड़ा भाजपा जिलाध्यक्ष सन्तोष गुप्ता के द्वारा की गई मारपीट किये जाने को लेकर कड़ी शब्दों में निंदा व आलोचना करते हुए सख्त कानूनी कार्यवाही की मांग करती है। पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष सलीम रज़ा उस्मानी ने कहा कि सुशासन का दावा करने वाली प्रदेश की साय सरकार में भाजपाई खुलेआम आम जनता, पत्रकारों, व्यापारी को सत्ता के नशे में चूर होकर मारपीट कर डराया धमकाया जा रहा है। इससे आमलोगों में भय का वातावरण निर्मित हो गया है। भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली से हर वर्ग किसान, मजदूर,व्यापारी, महिला, गरीब त्रस्त हो चुका है। पत्रकार डूंगर सोनी के साथ बुधवार की रात गीदम थाने के अंदर भाजपा के लोगों के द्वारा गाली गलौज करते हुए उनके बेटे के साथ मारपीट किया गया है। जबकि उस वक्त पूरा पुलिस स्टाफ मौजूद रहे और मूकदर्शक बने रहे ।जहां एक ओर सरकार नक्सली आतंक से मुक्ति का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर भाजपा के पदों पर आसीन रसूखदार लोग अब आतंक मचा रहे है।

भाजपा फैला रही है अराजकता, स्थानीय विधायक हैं मौन-तूलिका

महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव व जिला पंचायत सदस्य तूलिका कर्मा का कहना है कि जिस तरह से दंतेवाड़ा जिले में भाजपा के जिलाध्यक्ष अपने रसूख का इस्तेमाल कर बुजुर्ग व्यापारी को अपने घर पर बुलाकर मारपीट कर रहे हैं, यह अशोभनीय हरकत है। इससे पहले भी उनके द्वारा पत्रकार के साथ गाली गलौज, धमकी दी गई थी। इन सबके बावजूद भी दंतेवाड़ा विधायक का इस मामले में चुप्पी साधे हुए रहना ऐसा लगता है कि भाजपा जिलाध्यक्ष कुछ भी करे उनकी पूरी सहमति बनी रहती है। पूरे प्रदेश की जनता सरकार से त्रस्त है,और भाजपाई गुंडागर्दी करते हुए घूम रहे हैं। कांग्रेस पार्टी इसका पुरजोर विरोध करती है। अन्याय और जुल्म के खिलाफ हमेशा कांग्रेस पार्टी लड़ती रहेगी।

गीदम में जिला भाजपा अध्यक्ष की दबंगई से लोग हैं परेशान - ब्लॉक अध्यक्ष अनिल कर्मा- गीदम ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनिल कर्मा ने कहा कि भाजपा जिलाध्यक्ष की दबंगई से आम लोग परेशान हो गए हैं, बुजुर्ग के साथ मारपीट करना भाजपा अपनी नैतिकता खो चुकी है। पुलिस से मांग है कि इस पर कड़ी कार्यवाही की जाए। गीदम जैसे औद्योगिक नगरी में अब भय का वातावरण निर्मित हो गया है।

*प्रेस वार्ता में जिला पंचायत सदस्य सुलोचना कर्मा, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष इंदिरा शर्मा,दंतेवाड़ा शहर अध्यक्ष सुमित्रा शोरी, पूर्व पार्षद विद्यानन्द सेन, इंदिरा ठाकुर, पार्षद सोहन यादव ,रजत दहिया उपस्थित रहे।

मदर टेरेसा इंग्लिश मीडियम स्कूल बागडूमर में वार्षिक उत्सव भव्यता के साथ संपन्न

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। मदर टेरेसा इंग्लिश मीडियम स्कूल, बागडूमर में दिनांक 15 जनवरी 2026 को वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती सरस्वती बंजारे जी (जिला पंचायत अध्यक्ष) एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती स्वीटी कौशिक जी (महिला मोर्चा अध्यक्ष) रहीं।

कार्यक्रम में श्री तिलक राज यादव जी (सहप्रभारी, भाजपा कार्यालय भिलाई), श्री गोपाल गुप्ता (भाजपा सक्रिय कार्यकर्ता), श्रीमती मीनाक्षी साहू (सहायक नोडल अधिकारी, अहिवारा), श्री लीलाधर साहू (पूर्व पार्षद, बानबरद), श्री सूरज ढीरे (पंच, ग्राम बागडूमर) सहित श्री राकेश बरहरे, श्री हितेश जोशी, श्री अनिल यादव, श्री नोहर पटेल, श्री गोवर्धन, श्री धीरज सिंह, श्री नवीन कुमार छत्री, तथा श्रीमती वंदना साहू, श्रीमती मीनू साहू, श्रीमती सीमा वर्मा, श्रीमती पुष्पा यादव, श्रीमती पूर्णिमा बंजारे, श्री पुष्कर दिलावर, श्री नवाज मंसूरी सहित अनेक गणमान्य अतिथि, अभिभावक एवं शिक्षक उपस्थित रहे। विद्यालय परिसर सुबह से ही रंग-बिरंगी सजावट, आकर्षक स्वागत द्वार और छात्रछात्राओं की चहल-पहल से उत्सवमय वातावरण में तब्दील हो गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

मुख्य अतिथि श्रीमती सरस्वती बंजारे जी ने अपने उद्बोधन में शिक्षा व संस्कृति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित भारत के संकल्प की चर्चा की। वहीं विशिष्ट अतिथि श्रीमती स्वीटी कौशिक जी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए विद्यालय एवं शिक्षकों की भूमिका को समाज की नींव बताया।

वार्षिक उत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने मनमोहक लोकनृत्य, सामूहिक गीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती इला एवन कॉल्विन ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह वार्षिक उत्सव शिक्षा और संस्कृति के संगम का जीवंत उदाहरण बना, जिसकी चर्चा पूरे ग्राम में दिनभर होती रही और सभी ने इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने पर गर्व महसूस किया।

दुकान का सामान सड़क पर, आखिर इन पर कब नजर पड़ेगी पालिका प्रशासन की, गुमटियों पर सितम, दुकानदारों पर रहम

अहिवारा (समय दर्शन)। कलेक्टर दुर्ग के निर्देश पर नगर पालिका परिषद अहिवारा में अतिक्रमण हटाने का कार्य किया गया। लेकिन अभी भी बस स्टैंड के पास लगातार जाम की स्थिति रोज बनी रही है। बताया जा रहा है कि गुमटियों को तो हटाया गया है वहीं छोटे-छोटे फुटकर व्यापारी जो सड़क किनारे दुकान लगाते थे उन्हें हटाया गया है इससे ट्रैफिक व्यवस्था थोड़ा दुरुस्त हुई है। लेकिन अभी भी सड़क किनारे के आसपास के दुकानदार अपने सामान को दुकान के बाहर सड़क तक ला रहे हैं। वहीं पार्किंग की व्यवस्था न होने के कारण दुकान के सामने ही गाड़ी सड़क के पास खड़ी की जा रही है। इससे भी अब यातायात व्यवस्था बाधित होने लगी है। अहिवारा क्षेत्र की एक सोशल मीडिया ग्रुप में कल चर्चा छिड़ी थी कि अतिक्रमण हटाया जा रहा है तो सभी का हटाए जिससे कि यातायात व्यवस्था बन सके।

चिन्हित लोगों का अतिक्रमण हटाया भी गया और उनसे पेनाल्टी भी ले जाने की जानकारी है लेकिन कुछ जो दुकानदार है बस स्टैंड के आसपास वह अभी भी अपने दुकान के समान को बाहर सड़क किनारे रख रहे हैं इससे वाहनों के आने-जाने में भी दिक्कत होने लगी है। नगर पालिका प्रशासन को इस तरफ़भी ध्यान देना चाहिए जिससे कि ट्रैफिक व्यवस्था यहां पर जाम ना हो। फ़िलहाल अब देखना है कि पालिका प्रशासन इन दुकानदारों पर रहम करती है या फिर इतने भी नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने का कार्य करेगा। यह तो समय ही बताएगा ।लेकिन अतिक्रमण हटाने का जो कार्य किया जा रहा है उससे सड़क पर चलने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों ने राहत की सांस ली हैं।

श्री राघव मंदिर में महाशिवरात्रि पर भव्य प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव

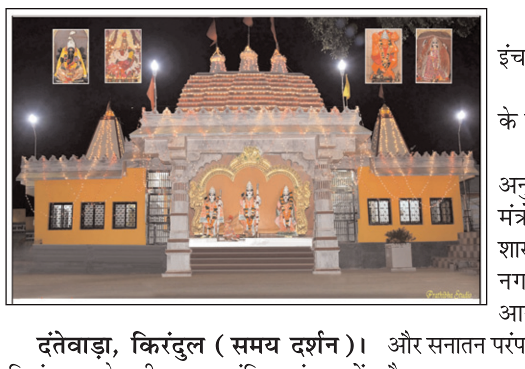

दंतेवाड़ा, किरंदुल (समय दर्शन)। किरंदुल के श्री राघव मंदिर प्रांगण में महाशिवरात्रि (15 फरवरी 2026, रविवार) के पावन अवसर पर 12 से 16 फरवरी 2026 तक भगवान श्री लिंगेश्वर महादेव जी, नंदी जी, शिव परिवार (गणेश, कार्तिकेय, माता पार्वती) सहित अन्य देव प्रतिमाओं की भव्य प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित होगा।

ये राजस्थान के उच्च गुणवत्ता वाले पाषाण से निर्मित प्रतिमाएँ हैं। मुख्य प्रतिमाओं का व्यय विवरण:

श्री लिंगेश्वर जी (39 इंच): 1,60,000
नंदी जी (21 इंच): 41,000
गणेश जी (15 इंच): 45,000
माता पार्वती जी (18 इंच): 55,000
कार्तिकेय जी (15 इंच): 45,000
आदि शंकराचार्य जी (30 इंच): 70,000
शेर जोड़ी (दो प्रवेश द्वारों के लिए): ?60,000 कुल
परिवहन व्यय: बिल अनुसार यह महोत्सव वैदिक मंत्रोच्चार, हवन, पूजन और शास्त्रोक्त विधि से संपन्न होगा। नगरवासियों के लिए यह आस्था, सुख-शांति, समृद्धि और सनातन परंपरा संरक्षण का दुर्लभ अवसर है।

दान हेतु संपर्क/योगदान:
एसबीआई खाता: 10727546369
यूपीआई /नगद: रसीद सहित
संपर्क: प्रकाश चंद्र जैन (9425595114, 7877629845) या प्रधान पुजारी आचार्य सत्येन्द्र प्रसाद शुक्ल (7898590528, 9406228490)

आयोजक: श्री राम जनकल्याण सेवा समिति (बैलाडीला देव स्थान समिति), श्री राघव मंदिर, किरंदुल

आइए, श्रद्धा से सहयोग कर इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाएं और पुण्य के भागीदार बनें!

धर्मेण कार्यं सफलं भवति।

ज्ञानोदय स्कूल जांजगीर में आधार शिविर आज

चांपा (समय दर्शन)। भारतीय डाक विभाग बिलासपुर संभाग द्वारा ज्ञानोदय हायर सेकंड्री स्कूल जांजगीर में आधार एनरोलमेंट एवं अपडेशन संबंधी सेवाएँ प्रदान करने हेतु विशेष आधार शिविर का आयोजन दिनांक 17.01.2026 (शनिवार) को प्रात: 10 बजे से सायं 4 बजे तक किया जा रहा है। जिसमें समस्त आम नागरिक अपना नया आधार कार्ड बनवा सकते हैं एवं पुराने आधार कार्ड में किसी भी प्रकार का सुधार/अपडेशन (पता, मोबाईल नंबर, जन्म तिथि, नाम, बायोमेट्रिक अपडेट, ईमेल अपडेट इत्यादि) का कार्य करवा सकते हैं।

चूँकि बच्चों का 5 एवं 15 वर्ष की आयु पर बायोमेट्रिक अपडेशन अतिआवश्यक है, अत: अपने बच्चों का भी नि:शुल्क बायोमेट्रिक अपडेशन करा सकते हैं। समस्त आम नागरिक से अनुरोध है कि इस अवसर का लाभ उठाते हुए स्वयं का और अपने बच्चों का आधार अपडेशन / एनरोलमेंट का कार्य जरुर कराएं।

खबर-खास

ग्राम पंचायत बोईदा के सरपंच संजय राज द्वारा शांतिनगर स्कूल को ब्लूटूथ स्पीकर प्रदान किया गया

कोरबा/पाली (समय दर्शन)। जनपद पंचायत पाली क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत बोईदा के सरपंच संजय राज के द्वारा सांस्कृतिक गतिविधि को आगे बढ़ाने एवं बच्चों में सर्वांगीण विकास की ओर पहल करते हुए शास. प्राथमिक शाला शांतिनगर बोईदा को ब्लूटूथ ट्रॉली स्पीकर प्रदान किया गया। जो स्कूल में होने वाले बैठक,शैक्षणिक गतिविधि एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए उपयोगी है ।ब्लूटूथ ट्रॉली स्पीकर,चॉकलेट एवं प्रोत्साहन राशि पा कर बच्चों में खुशी का माहौल देखने को मिला ।सरपंच संजय राज ने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई लिखाई के साथ-साथ खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधि में सहभागिता जरूरी है ।उपस्थित जनप्रतिनिधि जनक राम पटेल, नंदलाल पटेल ने बच्चों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि नियमित स्कूल आने व पढ़ाई लिखाई करने से बौद्धिक और शारीरिक विकास होता है ।सभी बच्चे वार्षिक परीक्षा की तैयारी करें और अधिक से अधिक अंकों के साथ परीक्षा में पास होवें। सरपंच द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में विशेष रुचि लेकर सहयोग प्रदान करना प्रसंसनीय कार्य है।

सरपंच संजय राज,जनक राम पटेल,नंदलाल पटेल,रामकृष्ण पटेल,तुलाराम सिदार,पवन दास, राजकुमार मरावी,शेखर पटेल, परमानंद पटेल,गोवर्धन पटेल,रूपाबाई,हिम बाई, संतोषी बाई,अनिता पटेल,रम्हौतीन बाई, शैक्षिक समन्वयक सत्य प्रकाश खांडेकर,प्रधान पाठक मनोज चौबे,शिक्षक संतोष यादव, कर्मचारी रामकुमार जगत आदि उपस्थित थे।

मुंगेली के ग्राम बरदुली में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मुंगेली(समय दर्शन)। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक नदीम काजी के मार्गदर्शन में एकीकृत पुनर्वास केंद्र (नशामुक्ति) द्वारा ग्राम पंचायत बरदुली में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस (रजत जयंती) के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक, पंथी नृत्य एवं सुगा नृत्य जैसे सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों पर प्रभावी संदेश दिया गया। कार्यक्रम में लगभग 50 वरिष्ठ नागरिकों एवं महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थितजनों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवन अपनाने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की शपथ भी दिलाई गई। साथ ही नशे के कारण उत्पन्न होने वाली बीमारियों एवं नशा छोड़ने के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में नशामुक्ति केन्द्र के अधीक्षक शत्रुहन साहू, ग्राम पंचायत के सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सीटबेल्ट व हेलमेट पहनने वाले वाहन चालकों का यातायात पुलिस ने गुलाब व चॉकलेट से किया सम्मान

कवर्धा (समय दर्शन)। सड़क सुरक्षा माह 2026 के अवसर पर यातायात पुलिस आम नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु निरंतर विभिन्न जन-जागरूकता अभियान चला रही है। इसी क्रम में आज सिग्नल चौक में पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन में विशेष अभियान आयोजित किया गया। इस दौरान यातायात नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सीटबेल्ट एवं हेलमेट पहनकर वाहन चलाने वाले चालकों को गुलाब फूल एवं चॉकलेट भेंट कर सम्मानित किया गया। एसडीओपी यातायात कृष्णा चंद्राकर ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यातायात नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है। हेलमेट एवं सीटबेल्ट का उपयोग न केवल कानूनी बाध्यता है, बल्कि यह स्वयं की सुरक्षा के लिए भी बेहद जरूरी है। सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों में सकारात्मक सोच विकसित करना और सुरक्षित यातायात को बढ़ावा देना है।

यातायात प्रभारी अजयकांत तिवारी ने बताया कि यातायात पुलिस द्वारा केवल चालानी कार्रवाई ही नहीं, बल्कि नियमों का पालन करने वाले जागरूक नागरिकों को सम्मानित कर उन्हें प्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन करने से दुर्घटनाओं में कमी आती है और सभी का जीवन सुरक्षित रहता है। आने वाले दिनों में स्कूल, कॉलेज, सार्वजनिक स्थलों एवं प्रमुख चौराहों पर भी इसी तरह के जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान यातायात पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाघ गणना को लेकर वन विभाग गरियाबंद द्वारा कार्यशाला आयोजित

गरियाबंद (समय दर्शन)। वन्यजीव संरक्षण के अंतर्गत बाघ गणना कार्य को

प्रभावी ढंग से संपादित करने हेतु आज वनमंडल स्तर पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया ।कार्यशाला में वनमंडलाधिकारी गरियाबंद ससीगानंधन,उप वनमंडलाधिकारी मनोज चन्द्राकर,राकेश चौबे, विकास चन्द्राकर,सहायक संचालक यूएसटीआर जगदीश दर्रो,समस्त वन परिक्षेत्र अधिकारी सहित वनमंडल के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर भारतीय वन्यजीव संस्थान,देहरादून से पधारीं ऋतु प्रजापति द्वारा बाघ गणना की नवीनतम पद्धतियों,फील्ड डाटा संग्रहण,कैमरा ट्रैपिंग,ट्रैक एवं साइन सर्वे,एम-स्ङ्मद्धक्ष्वस् एप के उपयोग तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से आंकड़ों के विश्लेषण संबंधी विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बाघों की पहचान,उनके आवास,संरक्षण की चुनौतियों तथा गणना प्रक्रिया में सावधानियों के बारे में भी जानकारी दी गई ।साथ ही,बाघ संरक्षण में वन विभाग की भूमिका एवं सामूहिक सहभागिता पर विशेष जोर दिया गया।

वनमंडलाधिकारी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि बाघ गणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है,जिससे वन्यजीव संरक्षण की रणनीतियाँ सुदृढ़ होती हैं ।इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम फील्ड कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होते हैं ।कार्यशाला का उद्देश्य बाघ गणना कार्य को पारदर्शी, सटीक एवं वैज्ञानिक तरीके से संपन्न करना रहा।

युवाओं में अपार प्रतिभा, लक्ष्य के साथ आगे बढ़े-आशीष वर्मा

पाटन (समय दर्शन)। श्री शिव-शक्ति युवा मंडल एवं ग्रामवासी केसरा द्वारा राज्य स्तरीय डी जे डांस प्रतियोगिता 2026 का आगाज बाजार चौक केसरा में हुआ ।जिसके शुभारंभ के मुख्य अतिथि भूपेश बघेल पूर्व मुख्यमंत्री के ओएसडी आशीष वर्मा थे,अध्यक्षता डॉ.ईश्वर प्रसाद निषाद(सरपंच,केसरा) ने किया, विशेष अतिथि अशोक साहू पूर्व उपाध्यक्ष ज़िप दुर्ग,नोमिन ठाकुर जी (जिला पंचायत सदस्य दुर्ग),दिनेश साहू सदस्य जप,सोहन जोशी जोन प्रभारी,सार्थक दानी,तेजराम सिन्हा सेक्टर प्रभारी,गजानंद सिन्हा,यशवन्त साहू (सरपंच,जरवाय),मनीष पटेल(पूर्व सरपंच तेलीगुण्डरा),अशोक साहू(पूर्व सरपंच तरीघाट) ने छत्तीसगढ़ महतारी,श्री गणेश जी के तेलचित्र में माल्यार्पण एवं पूजा अर्चना कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किए।

मुख्य अतिथि आशीष वर्मा ने केसरा मंडाई की बधाई प्रेषित करते हुए युवाओं को शानदार मंच के माध्यम से प्रतिभा निखारने का सुअवसर मिला है ।युवाओं में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं होती,लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़े।

विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू ने युवा हमारे देश के भविष्य है ।ग्राम,राज्य,देश और समाज की सेवा के प्रति संकल्पित एवं समर्पण भाव से करें ।प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों के प्रतिभागी शामिल हुए। चिन्ताराम साहू,योगेश सिन्हा,चंदन निषाद,मिथलेश सिन्हा,राजेश सिन्हा,शेखर सिन्हालुलेश ठाकुर,देवेन्द्र सिन्हा,तेजेश्वर पटेल,रोशन सिन्हा,गुलशन पटेल,प्रकाश सिन्हा,सुनील पटेल,नुतन साहू,प्रशांत सेन, किशोर सिन्हा,मंच संचालक आकाश साहू,लीना कोसमा(कांकेर),कमलेश पटेल,सागर सिन्हा,लक्की सिन्हा,मनहरण सिन्हा, हरीश सेन,चिन्टू सिन्हा,मानजीत ठाकुर,चंदन साहू, गणेश,बबलू ठाकुर,प्रीतम सिन्हा,शिवा सेन,योगेश सिन्हा,ठामेश्वर साहू,खुमान निषाद,अजय ध्रुव,राहुल यादव,अंकित पटेल,निलेश साहू,ओम सिन्हा,यमन पटेल,चंदन सिन्हा,श्री शिव-शक्ति युवा मंडल समिति एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय अभियान के तहत बनाए जा रहे सड़क में मिट्टी और मुरम का अवैध खनन और परिवहन

गरियाबंद (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय अभियान के तहत बनाए जा रहे सड़क में मिट्टी और मुरम का अवैध खनन और परिवहन कर राज्य शासन की लाखों रूपये की रॉयल्टी चोरी किया जा रहा है ।ज्ञात हो कि ग्रामीण दुरुस्त अंचल में रहने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति के साथ आदिवासियों की शहरों तक जोड़ने और उन्हें मूलभूत सुविधा मुहैय्या कराने राज्य शासन वचन बद्ध होकर लाखों रूपये आबंटित कर सड़क का निर्माण करा रही है। ज्ञात हो कि जिला मुख्यालय से लगभग दस किलोमीटर दूर कोटरी छापर से भुइयाडेरा तक जंगल के बीचोबीच पक्का सड़क का निर्माण कार्य जारी है,उक्त सड़क के निर्माण के लिए शासन द्वारा लागत राशि1 11 ,40 लाख स्वीकृत किया गया,उक्त कार्य को प्रारंभ 18 जनवरी 25 से किया गया है साथ ही पूर्ण करने की अवधि 18 जनवरी 2026 तक निर्धारित था लेकिन आज की तिथि तक ये कार आधा ही हो पाया है जिसमें केवल मिट्टी और मुरम ही डल पाया है,अब देखना होगा कि निर्धारित समय में कार्य पूर्ण न होने की स्थिति में विभाग द्वारा क्या कार्यवाही किया जाएगा।

हजारों ट्रिप मिट्टी मुरम का अवैध खनन व परिवहन

ज्ञात हो कि सड़क निर्माण के लिए निर्धारित इस समय अवधि में केवल ढाई किलोमीटर तक मुरम और मिट्टी ही डाला गया है, इस सड़क निर्माण के लिए उक्त स्थल के आसपास से ही किसानों और अन्य जगहों से हजारों ट्रेक्टर मुरम और मिट्टी की चोरी कर सड़क निर्माणए डाला जा रहा है,वही आगे भी गिट्टी डालने के बाद पुन: मुरम और मिट्टी का अवैध खनन और परिवहन किए जाने की सम्भावना है,जबकि जिले में कई मुरम खनन की स्वीकृति शासन द्वारा दिया गया है,वहा से मुरम और मिट्टी लेते हो शासन को रॉयल्टी प्राप्त होता ।इस अवैध उत्खनन के विषय के जब सड़क ठेकेदार से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि पंचायत से अनुमति लिया गया है ,और कलेक्टर को इसकी जानकारी है।

लग्जरी कारों से 75 लाख का गांजा बरामद, ओडिशा के तीन लोग गिरफ्तार

बसना (समय दर्शन)। लग्जरी कार से गांजा तस्करी कर रहे ओडिशा के तीन लोगों को बसना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के पुलिस ने 75 लाख रुपए कीमत का 150 किलो गांजा बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार 15 जनवरी को बसना पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि पदमपुर ओडिशा की ओर से क्रेटा कार क्रमांकएवं क्रेटा कार में कुछ व्यक्ति एक साथ अवैध मादक पदार्थ गांजा लेकर बसना की ओर आ रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पलसापाली बैरियर पहुंचकर नाकाबंदी की गई।

जहां कुछ देर बाद मुखबीर के बताये अनुसार दो कारें वहां आईं, जिन्हें रोका गया। पुलिस की पूछताझ में कारके चालक अपना नाम पता तन्मय मिश्रा ऊर्फ लिपुन पिता महेन्द्र मिश्रा (29 वर्ष) मनकेश्वरी मंदिर प्लाट वार्ड नं0 03 सोनपुर थाना सोनपुर जिला सोनपुर (ओडिशा) बताया तथा क्रेटा कार के चालक ने अपना नाम पता प्रमोद कल्ता उर्फसिकुन पिता पदमनाभा कल्ता (25 साल) गांव मृत्युन्जयपुर थाना मनमुण्डा जिला बौद्ध (ओडिशा) एवं चालक के बगल सीट में बैठे व्यक्ति ने अपना नाम पता दीनबंधु मिश्रा पिता सर्वेश्वर मिश्रा (39 वर्ष) ग्राम बुदेलबाहली थाना तोरवा जिला सोनपुर (ओडिशा) को होना बताए। वहीं कड़ाई से पूछने पर दोनों कारों में गांजा होना बताया।

पुलिस संदेही तन्मय मिश्रा के कब्जे के क्रेटा कार की तलाशी ली, जिसमें से चार सफेद रंग के प्लास्टिक बोरियों में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखा मिला एवं संदेही चालक प्रमोद कल्ता केऔ कब्जे के क्रेटा कार की तलाशी लेने पर डिक्की में चार सफेद रंग के प्लास्टिक बोरियों में अवैध मादक पदार्थ गांजा जैसा रखे मिला।

इसके बाद पुलिस ने तीनों संदेहियों से कब्जे कुल 150.750 किलोग्राम गांजा कीमत लगभग 75,00,000 रुपए को बरामद किया। इसके अलावा दो कार कुल कीमत 2000000, तीन नग टचस्क्रीन मोबाईल कीमत 15000 रुपए कुल सामान कीमत 95,15,000 रुपए को बरामद किया गया। मामले में आरोपियों के विरूद्ध धारा 20(ख) नारकोटिक एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की गयी।

विशेष ग्रामों में छोटे भू-खण्डों पर वर्गमीटर दर लागू करने की तैयारी तेज

मुंगेली(समय दर्शन)। विशेष ग्रामों में छोटे भू-खण्डों के लिए वर्गमीटर आधार पर गाइडलाइन दर लागू करने तथा नवीन गाइडलाइन दरों की समीक्षा के संबंध में कलेक्टर कुन्दन कुमार की अध्यक्षता में जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में जिला मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग एवं महानिरीक्षक पंजीयन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के परिपालन पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर कुमार ने कहा कि मंत्रीपरिषद के निर्णय के अनुरूप विशेष ग्रामों में छोटे भू-खण्डों के लिए वर्गमीटर आधार पर गाइडलाइन दर लागू किए जाने की प्रक्रिया को शीघ्र और पारदर्शी ढंग से पूरा किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नवीन गाइडलाइन दरों के अनुरूप विशेष समीक्षा कर विस्तृत कारणों सहित प्रस्ताव तैयार किए जाएं। उन्होंने अन्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्राप्त सुझावों और ज्ञापनों के आधार पर भी समुचित समीक्षा सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भू-खण्ड मूल्य में वृद्धि का प्रस्ताव शासन की गाइडलाइन के अनुरूप, ठोस तथ्यों और कारणों के साथ ही प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने सभी संशोधित प्रस्तावों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजने के निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने वनाँचल गांव सहसपानी में की रात्रिकालीन जन चौपाल

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। प्रशासन गांव की ओर थीम पर कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने सारंगढ़ ब्लॉक के वनाँचल गांव सहसपानी में रात्रिकालीन जन चौपाल गुरुवार की शाम को किया, जहाँ ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ कलेक्टर का स्वागत किया। कलेक्टर के निर्देश पर जिले के सभी जिला स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित थे। कलेक्टर के आगमन पर ग्रामीणों में समाधान उत्सव के रूप में माहौल था। इस अवसर पर 5 स्थानों में अलाव का व्यवस्था किया गया था, वही चौपाल स्थल में हाईमास्ट से स्थाई प्रकाश व्यवस्था था।

कलेक्टर ने ग्रामीणों की बुनियादी जरुरत आवास के बारे में कितने आवास स्वीकृत और कार्य शुरुआत नहीं किये हितग्राही से कारण पूछा। हितग्राही ने कहा कि, सामग्री की खरीदी कर ली है और जल्द ही आवास निर्माण प्रारम्भ करेगी। कलेक्टर ने पीएम किसान सम्मान निधि प्राप्ति के सम्बन्ध में किसानों से जानकारी ली। वहीं स्कूल में शिक्षक की उपस्थिति और पेयजल समस्या के बारे में स्कूली बालिकाओं से पूछा। बालिकाओं ने शिक्षकों की संख्या और पेयजल की समस्या पर हामी भरी।

//न्यायालय नायब तहसीलदार जामगांव आर.तह.पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

एतद द्वारा सर्व आम जनता एवं ग्राम कुर्मीगुण्डरा प.ह.नं. 48 को सूचनार्थ प्रकाशित जाता है कि आवेदक जीतू यादव पिता स्व. ऋषि कुमार यादव निवासी ग्राम कुर्मीगुण्डरा तह. पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)द्वारा मौजा ग्राम कुर्मीगुण्डरा प.ह.नं. 48 तहसील पाटन जिला दुर्ग में आवेदक अपनी दादी भगवंतीन बाई यादव पति पाडे यादव निवासी कुर्मीगुण्डरा का मृत्य दिनांक 12.05.1978 ग्राम कुर्मीगुण्डरा तह.पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा आवेदक अपनी दादी का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन, शपथ पत्र, संलग्न किया गया है। कार्यालय उपसंचालक जिला योजना एवं सांख्यिकी जिला दुर्ग से अनुपलब्धता प्रमाण पत्र आवेदक द्वारा प्रस्तुत किया गया है। के आधार पर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 05/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

मुहर

नायब तहसीलदार
जामगांव (आर) पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./ 202601101500024/ अ-6/ 2025-26
पाटन,दिनांक 15.01.2026

ग्राम असोगा,प.ह.नं. 41
तहसील पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पवन यादव पिता सुकालू राम यादव निवासी ग्राम असोगा तह.पाटन जिला दुर्ग द्वारा मौजा ग्राम असोगा प.ह.नं.41 तह. पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 289 का टु. रकबा 0.10 हे. भूमि भूमिस्वामी जिवराखन पिता भोकलू निवासी ग्राम असोगा से पंजीकृत बैनामा दिनांक 08.06.1999 को आवेदक द्वारा क्रय किया गया है। अत: आवेदक द्वारा उक्त क्रय भूमि को अपने नाम नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत सुनवाई दिनांक 05.02.2026 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयवधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 15.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
पाटन,जिला-दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./ 202512101500019/ अ-27/ 2024-25
पाटन,दिनांक 13.01.2026

ग्राम कौही,प.ह.नं. 40
तहसील पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मेहत्तर पिता सुनहर निवासी ग्राम कौही तह.पाटन जिला दुर्ग द्वारा मौजा ग्राम कौही प.ह.नं.40 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 417, 840 रकबा क्रमश: 0.31, 0.75 हे. आवेदक के नाम पर दर्ज है। आवेदक द्वारा अपने जीवन काल में उक्त आवेदित भूमि को अपने पुत्रो दयाराम, श्यामलाल, राजेन्द्र सभी पिता मेहत्तर को बटवारा देना चाहता है। अत: आवेदक द्वारा उक्त आवेदित भूमि को आवेदक द्वारा अपने जीवनकाल में खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक द्वारा खाता विभाजन का आवेदन में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत सुनवाई दिनांक 27.01.2026 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयवधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 13.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
पाटन,जिला-दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./ 202512101500020/ अ-6अ/ 2024-25
पाटन,दिनांक 13.01.2026

ग्राम अमेरी,प.ह.नं. 13
तहसील पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका तारणी पिता नारायण निवासी ग्राम अमेरी तह.पाटन जिला दुर्ग द्वारा मौजा ग्राम अमेरी प.ह.नं.13 तह. पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 227/1, 228 रकबा क्रमश: 0.17, 0.14 हे. आवेदिका के नाम पर शामिलात खाते में दर्ज है। उक्त भूमि के ऑनलाईन रिकार्ड तथा ऋण पुस्तिका में आवेदिका का नाम तुलसी पिता नारायण दर्ज है। जो कि आवेदिका के विवाह के पूर्व का नाम था जबकि विवाह में पश्चात आवेदिका नाम तारणी पति खेलकुमार हो गया है जो कि आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में दर्ज है। अत: आवेदिका द्वारा उक्त आवेदित भूमि के ऑनलाईन रिकार्ड में अपने नाम तुलसी पिता नारायण के स्थान पर तुलसी उर्फ तारणी पिता नारायण किये जाने हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है

अत: आवेदक द्वारा नाम त्रुटि सुधार में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत सुनवाई दिनांक 27.01.2026 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयवधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 13.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./ 202512101500021/ अ-6अ/ 2024-25
पाटन,दिनांक 13.01.2026

ग्राम अमेरी, गभरा प.ह.नं. 13
तहसील पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका चंद्रिका पिता गोकुल अन्य 01 निवासी ग्राम अमेरी तह.पाटन जिला दुर्ग द्वारा मौजा ग्राम अमेरी प.ह.नं.13 तह. पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 506, 563, 564, 565/1, 632, 693, 694, 972 रकबा क्रमश: 0.03, 0.12, 0.40, 0.02,0.30 हे. तथा ग्राम गभरा प.ह.नं. 13 तह.पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 194, 212/1, 213 रकबा क्रमश: 0.23, 0.08,1.01 हे. भूमि आवेदिकागण के शामिलात खाते में दर्ज है। उक्त भूमि के ऑनलाईन रिकार्ड तथा ऋण पुस्तिका में आवेदिका क्रमांक 1 चंद्रिका का नाम चुनेश्वर पिता गोकुल दर्ज है तथा आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजो में नाम चंद्रिका पिता गोकुल दर्ज है तथा आवेदिका क्रमांक 2 गुनेश्वरी का नाम उक्त भूमि के ऑनलाईन रिकार्ड तथा ऋण पुस्तिका में पूजा पिता गोकुल दर्ज है जबकि आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में नाम गुनेश्वरी पिता गोकुल दर्ज है अत: आवेदिकागण द्वारा उक्त आवेदित भूमि के आनलाईन रिकार्ड में अपने-अपने नाम को त्रुटि सुधार किये जाने हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है

अत: आवेदक द्वारा नाम त्रुटि सुधार में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत सुनवाई दिनांक 27.01.2026 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयवधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 13.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
पाटन,जिला-दुर्ग (छ.ग.)

लेकिन वरिष्ठ नेताओं की गैरमौजूदगी बनी चर्चा का विषय

नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष का स्वागत

गरियाबंद (समय दर्शन)। नगर के हृदय स्थल तिरंगा चौक में संगठन सृजन अभियान के तहत नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष अमित मिरी के स्वागत एवं आभार रैली का आयोजन किया गया। फूल-मालाओं और ढोल-नगाड़ों के साथ हुए इस भव्य स्वागत समारोह में बिंद्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव की मौजूदगी ने कार्यक्रम को राजनीतिक महत्व प्रदान किया। रैली के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता कांग्रेस भवन पहुंचे, जहां संगठन को मजबूत करने को लेकर बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विधायक जनक ध्रुव ने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। वरिष्ठ नेता युगल किशोर पांडेय ने हर कार्यकर्ता तक पहुंच बनाने का आह्वान किया, जबकि रामकुमार वर्मा ने संगठन सुदृढ़ीकरण पर अपने विचार रखे।

ब्लॉक अध्यक्ष अमित मिरी ने अपने उद्बोधन में प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व से लेकर जिला संगठन तक के वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह तो दिखा, लेकिन इसी बीच कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी भी खुलकर सामने आ गई।

आभार कार्यक्रम में गुटबाजी बेनकाब वरिष्ठ कार्यकर्ता रहे दूर,कई दिग्गज नेता नदारत

गरियाबंद जिला मुख्यालय स्थित आदिवासी ब्लॉक में आयोजित इस आभार कार्यक्रम में कांग्रेस संगठन की एकजुटता सवालों के घेरे में आ गई। कार्यक्रम से वरिष्ठ और निष्ठावान कार्यकर्ताओं की दूरी साफनजर आई, वहीं कई बड़े नेता और पदाधिकारी भी गैरहाजिर रहे।

पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ल, जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुखचंद बेसरा, पूर्व विधायक प्रत्याशी संजय नेताम, नवनियुक्त शहर अध्यक्ष प्रेम सोनवानी सहित कई प्रमुख चेहरे कार्यक्रम में नजर नहीं आए।जिला मुख्यालय के शहर अध्यक्ष की अनुपस्थिति भी चर्चाओं का विषय बनी रही।वहीवरिष्ठ कांग्रेस नेता कृष्ण कुमार शर्मा,युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष गौरव मिश्रा,महेंद्र सिंह राजपूत,डिलेश्वर देवांगन,भानु सिन्हा,मनीष ध्रुव,अवध राम यादव,रमेश मेश्राम, हस्द्ध प्रदेश सचिव चित्रांश ध्रुव,विधानसभा अध्यक्ष अमृत पटेल,महिला कांग्रेस प्रदेश सचिव श्रद्धा राजपूत, पार्षद शीला तांडी, महिला कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सविता गिरी, प्रतिभा पटेल, सुरेखा नागेश,गैंद राम सिन्हा, केशु सिन्हा,मुकेश रामटेके, कादर हिंगोरा,हरीश देवांगन,अजगर खान सुमंत नागेश,ऐश्वर्य यदु,उत्तम सोनी,सुरेश दास मानिकपुरी,राकेश मुर्रा,नादिर खान, वालेश मरकाम, आत्माराम मरकाम,राजकुमार, भैया लाल,अक्रूराम यादव,नंदू गोश्वामी, महेन्द यादव,प्रदीप यादव,द्वारिका ठाकुर, पुरषोत्तम घृतलहरे,शेखर ध्रुव,लक्ष्मण चक्रधारी,सूरज यादव,भावेश ध्रुव, ढाल सिंह साहू,छबि नेताम,नेपाल सोरी उपस्थित थे।

इस दौरान विधायक की मौजूदगी के बावजूद कांग्रेस भवन खचाखच नहीं भर पाया।बड़ी संख्या में खाली कुर्सियों ने संगठन की जमीनी हकीकत उजागर कर दी। जानकारी के अनुसार गरियाबंद ब्लॉक में 16 सेक्टर, 8 मंडल अध्यक्ष और 92 बूथ अध्यक्ष हैं, लेकिन आभार कार्यक्रम में गिने-चुने कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने नेतृत्व की चुनौती बढ़ा दी है।पहले ही बड़े कार्यक्रम में गुटबाजी, कम उपस्थिति और नेताओं की गैरमौजूदगी ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया कि कांग्रेस संगठन में अभी एकजुटता का अभाव है। यदि समय रहते हालात नहीं संभाले गए, तो इसका सीधा असर आगामी राजनीतिक लड़ाइयों में पार्टी को भुगतना पड़ सकता है।

संभाग आयुक्त महादेव कावरे ने मैनपुर में पदस्थ अनुविभागीय अधिकारी तुलसीदास मरकाम को किया निलंबित

गरियाबंद (समय दर्शन)। कार्यालय आयुक्त रायपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार डिप्टी कलेक्टर तुलसीदास मरकाम (रा.प्र.से.) को रायपुर संभाग के आयुक्त महादेव कावरे ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।मरकाम अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मैनपुर के पद पर पदस्थ थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मरकाम द्वारा 5 जनवरी 2026 से 10 जनवरी 2026 तक ग्राम उरमाल, थाना देवभोग,तहसील अमलीपदर,विकासखंड मैनपुर में आयोजित तथाकथित 'ओपेरा' (नृत्य, नाटक, संगीत कार्यक्रम) के लिए अनुमति प्रदान की गई थी। उक्त कार्यक्रम में अश्लील नृत्य प्रस्तुत किए जाने के आरोप सामने आए हैं।आरोप है कि मरकाम स्वयं 9 जनवरी 2026 की रात्रि कार्यक्रम में उपस्थित रहे तथा उनके समक्ष अशोभनीय गतिविधियां संचालित होती रहीं। इस कार्यक्रम से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए तथा छायाचित्र समाचार पत्रों में भी प्रकाशित हुए।

इस पर कलेक्टर बीएस उइके ने तत्काल जांच के निर्देश अपर कलेक्टर को दिए,जिनका जांच प्रतिवेदन 14 जनवरी 2026 को अपर कलेक्टर ने कलेक्टर श्री उइके को प्रस्तुत किया। प्रतिवेदन में उल्लेख है कि मरकाम द्वारा सार्वजनिक कार्यक्रमों की पूर्व अनुमति संबंधी नियमों एवं प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया गया तथा शासन के निर्देशों के विपरीत जाकर 29 दिसंबर 2025 को अनुमति आदेश जारी किया गया, जो विधिसम्मत नहीं पाया गया।

संक्षिप्त-खबर

समर्पण निशुल्क कोचिंग क्लास आगेसरा के शिक्षक का सीआईएसएफ में चयन

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत आगेसरा के सरपंच श्री रमाकांत साहू द्वारा संचालित समर्पण निशुल्क कोचिंग क्लास में शिक्षक के रूप में सेवा दे रहे श्री यमन साहू का चयन ष्द्धस्स्न केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में हुआ है, जिससे समर्पण कोचिंग क्लास के संचालक सरपंच श्री रमाकांत साहू तथा ग्राम पंचायत के समस्त पंच, एवम समस्त ग्रामवासियों द्वारा गौरवान्वित महसूस करते हुए श्री यमन साहू के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दिया गया, निश्चित तौर पर समर्पण कोचिंग क्लास युवाओं के लिए एक बहुत ही अच्छा करियर प्लेटफार्म साबित होते हुए नजर आ रहा है।

यमन साहू ने बताया कि वहां पर वह एक शिक्षक के रूप में बच्चों को पढ़ाते हैं और समर्पण निशुल्क कोचिंग क्लास में दर्शन अकैडमी दुर्ग द्वारा दिए जाने वाले ऑनलाइन क्लास से स्वयं बच्चो के साथ पढ़ाई करते है, अपनी इस सफलता के लिए अपने माता पिता, भाई बहन परिवार का बहुत ही सहयोग प्राप्त हुआ।

बता दे की यमन साहू के पिता श्री सुखनंदन साहू एवं माता श्रीमती कुसुम साहू कृषि कार्य करते हैं। इस सफलता से समर्पण कोचिंग क्लास के सभी शिक्षकों एवं बच्चों द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किए हैं।

35 साल बाद कपसदा (कुम्हारी) में होगा मंडाई मिलन समारोह, रात्रि में रंगझरोखा के कलाकार देंगे प्रस्तुति, ग्रामीणों में है उत्साह

कुम्हारी (समय दर्शन)। समीप के ग्राम कपसदा में लगभग 35 साल बाद वार्षिक मड़ई मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। वर्षों के बाद मड़ई मिलन समारोह आयोजित होने से ग्रामीणों में काफी उत्साह है। वहीं रात्रि कालीन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध लोक कला मंच रंग झरोखा की टीम संचालक दुष्यंत हरमुख एवं प्रसिद्ध गायिका रिंकी देवांगन के साथ अपनी प्रस्तुति देंगे। कपसदा के ग्रामीणों ने गत दिवस रंग झरोखा के संचालक दुष्यंत हरमुख को आमंत्रण देने उनके भिलाई स्थित निवास भी पहुंचे थे। बता दे कि वर्षों बाद ग्राम कपसदा में मड़ई मिलन समारोह का आयोजन हो रहा है जिसे लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह देखा जा रहा है।। वही लंबे अंतराल के बाद होने वाले इस कार्यक्रम में काफी भीड़ जूटने की संभावना जताई जा रही है।

मर्रा में शिव महापुराण कथा शुरू

पाटन (समय दर्शन)। ब्लाक ग्राम मर्रा मे 9 दिवसीय शिव महापुराण महोत्सव का आयोजन कलश यात्रा के साथ शुरू हुई। कथा वाचक भागवत आचार्य बालाव्यास पंडित सौरभ शर्मा जी चंडी मंदिर धाम अरमरीकला है। दोपहर को वेदी पूजा कलश यात्रा धूमधाम से निकली गई। डेढ़ हजार से अधिक महिलाएं एवं बच्चे इस कलश यात्रा में सम्मिलित हुए। मुख्य रूप से सुदर्शन वर्मा, सतरूपा वर्मा , भुवल्लभ साहू ,विक्की, मुकुंद विश्वकर्मा, टेकराम साहू ,रमेश ठाकुर , सरपंच मुकेश देवांगन, एवं शिव शक्ति महिला समिति रानी देवांगन राजकुमारी देवांगन प्रभा ठाकुर, निरुपमा विश्वकर्मा विराम साहू सहित अन्य मौजूद रहे। आयोजक शिव शक्ति महिला समिति गौठान पारा एवं समस्त ग्रामवासी मर्रा है।

धान बेचने के बाद 45165 किसानों ने किया 1,237.50 हेक्टेयर रकबा समर्पण

दुर्ग (समय दर्शन)। राज्य सरकार की सुचारू, पारदर्शी और किसान हितैषी नीति के कारण जिले में धान खरीदी सुव्यवस्थित जारी है। साथ ही उपार्जन केन्द्रों से धान के उठाव में तेजी आई है। धान खरीदी को आसान बनाने की दिशा में राज्य सरकार की निर्णायक कदम से धान विक्रय की प्रक्रिया सरल हुई है। धान बेचने के बाद त्वरित भुगतान का किसानों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सरकार की व्यवस्था से प्रभावित होकर किसान अपनी उपज बेचने टोकन प्राप्त निर्धारित तिथि अनुसार उपार्जन केन्द्र पहुंच रहे हैं। जिले में अब तक 1,01,365.16 लाख रूपए की लागत से 4,27,618.08 मे. टन धान की खरीदी हो चुकी है। समय पर भुगतान राशि मिलने पर 81927 किसान लाभान्वित हुए हैं। उपार्जन केन्द्रों से धान की उठाव भी तेजी से होने लगी है। उठाव हेतु 2,40,735.14 मे. टन धान का डीओ जारी हुआ है।

आवास योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न, लापरवाही पर नोटिस

आवास योजनाओं की समीक्षा में लापरवाही उजागर, रोजगार सहायक की सेवा समाप्ति के निर्देश,

पाटन (समय दर्शन)। जनपद पंचायत पाटन के सभाकक्ष में श्री बजरंग कुमार दुबे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी की अध्यक्षता में जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम पंचायतों में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि सप्ताह में तीन दिवस नोडल अधिकारी, पंचायत सचिव एवं आवास मित्र संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री आवास निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को समय-सीमा के भीतर 90 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत जियो-टैगिंग सहित समस्त निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने की जिम्मेदारी संबंधित ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं आवास मित्र की तय की गई। साथ ही लंबित जियो-टैगिंग कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत किसी हितग्राही की मृत्यु की स्थिति में संबंधित प्रकरण तत्काल ग्राम पंचायत स्तर पर तैयार कर पंचायत सचिव द्वारा शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि जिन हितग्राहियों द्वारा निर्माण कार्य में रुचि नहीं ली जा रही है अथवा निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, उनके विरुद्ध आरआरसी प्रकरण दर्ज किया जाए। साथ ही अपूर्ण एवं प्रारंभ न किए गए निर्माण कार्यों के मामलों में राजस्व विभाग के माध्यम से वसूली की कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान मस्टर रोल जारी नहीं किए जाने एवं जियो-टैगिंग पूर्ण न होने पर संबंधित ग्राम पंचायतों के तकनीकी सहायकों, पंचायत सचिवों, रोजगार सहायकों एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों को नोटिस जारी करने तथा लापरवाही पाए जाने पर सेवा समाप्ति की कार्यवाही के निर्देश दिए गए।समीक्षा के दौरान मस्टर रोल जारी नही किया गया है, ग्राम पंचायत पहदा अ कु आभा नेताम तकनीकी सहायक, श्री तुमन सोनी सचिव, रोजगार सहायक श्री रोहित कुमार ठाकुर, भुनेन्द्र कुमार कम्प्युटर आपेरटर बलराम वर्मा कम्प्यूटर आपरेटर, ग्राम पंचायत बोरीद श्री भुनेशवार प्रसाद ठाकुर, आवास निर्माण पूर्ण जियो टैगिंग एवं मस्टर रोल जारह नही किया गया ग्राम पंचायत बोरवाय आकाश देवांगन तकनीकी सहायक श्री मनीश कुमार चतुवेदी, श्रीमित केसरी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

समीक्षा बैठक में वर्ष 2025-26 के अंतर्गत प्रथम किस्त प्राप्त 302 अप्रारंभ निर्माण कार्यों, वित्तीय वर्ष 2024ङ्क25 द्वितीय किस्त प्राप्त 236 अपूर्ण निर्माण कार्यों, आवास प्लस 2.0 सर्वे अंतर्गत शेष 8069 प्रकरणों, लंबित जियो-टैगिंग, भूमिहीन हितग्राहियों के प्रकरणों तथा मुख्यमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

अटल डिजिटल सेवा सुविधा केंद्र के संचालन हेतु प्रत्येक ग्राम पंचायत भवन में वीएलई के माध्यम से एमओयू अनुसार सेवा केंद्र संचालन, वीएलई का नाम एवं मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने तथा महतारी वंदना योजना, मनरेगा मजदूरी भुगतान, विभिन्न पेंशन योजनाओं एवं एनआरएलएम ट्रांजैक्शन के कार्य करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस ने 2.62 किलो गांजा जब्त किया, आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा (समय दर्शन)। नया बस स्टैण्ड में 12 जनवरी 26 को पुलिस ने 2.62 किलो गांजा के साथ आरोपी विक्रेता को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। मुखबीर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी संतोष विश्वकर्मा, 55 वर्ष निवासी ठाकुर बस्ती, लोहार पारा ग्राम धमकी को पकड़ लिया।

सूचना के अनुसार आरोपी अपने कब्जे में सफेद गुलाबी रंग के झोले में गांजा रखकर सुपर से लेकर फुटकर और चिल्हर स्तर तक ग्राहकों को बेचने की तैयारी कर रहा था। पुलिस उपनिरीक्षक दिव्या शर्मा के नेतृत्व में आरक्षक और स्वतंत्र साक्षियों के साथ घटनास्थल पर पहुंची और आरोपी की तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी ने मादक पदार्थ रखना स्वीकार किया।

इलेक्ट्रॉनिक तराजू और साक्षियों की उपस्थिति में झोले को तौला गया, जिसमें कुल 2 किलो 620 ग्राम गांजा बरामद हुआ। बरामद मादक पदार्थ को सीलबंद कर सुरक्षित रूप से थाना कवर्धा लाया गया। आरोपी को धारा 20 (बी) नारकोटिक एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार कर देहाती नालसी तैयार की गई और विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल के निर्देशन तथा डीएसपी कृष्णा चंद्राकर के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई संपन्न हुई।

थाना प्रभारी कवर्धा योगेश कश्यप और उपनिरीक्षक दिव्या शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पूरी सतर्कता, समन्वय और तत्परता के साथ इस अपराध को समय रहते रोका। कबीरधाम पुलिस की यह कार्रवाई यह संदेश देती है कि किसी भी प्रकार के मादक पदार्थों के कारोबार और अवैध गतिविधियों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत थाना या पुलिस को दें, ताकि समय पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके और जिले में कानून और व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

पिथौरा तहसीलदार मनीषा देवांगन ने किया 1000 कट्टा अवैध धान जप्त

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा तहसील क्षेत्रांतर्गत के ग्राम मोहदा में तहसीलदार मनीषा देवांगन के नेतृत्व में अवैध धान भंडारण के खिलाफबड़ी कार्रवाई की गई है।

ग्राम मोहदा निवासी टिकेश्वर यादव पिता मेघराज यादव के घर, दुकान एवं गोदाम की जांच के दौरान लगभग 1000 कट्टा धान अवैध रूप से संग्रहित पाया गया।

जांच में मंडी नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर उक्त धान को मंडी अधिनियम के तहत जप्त किया गया। जप्त की गई धान की मात्रा को आगे की कार्रवाई हेतु कृषि उपज मंडी पिथौरा को सुपुर्द कर दिया गया है। तहसीलदार मनीषा देवांगन ने बताया कि अवैध भंडारण, मंडी नियमों के उल्लंघन पर आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस मामले में नियमानुसार कार्यवाही प्रक्रिया में है।

दिल्ली पब्लिक स्कूल कवर्धा में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कवर्धा (समय दर्शन)। शहर की प्रतिष्ठित दिल्ली पब्लिक स्कूल महाराजपुर कवर्धा में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अवसर पर यातायात जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 01 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक चलने वाले सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में यातायात पुलिस जिला कवर्धा के यातायात प्रभारी अजयकांत तिवारी अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। उनकी टीम में राजेश गौतम,राजेश महोबिया, कृष्णा साहू एवं सुश्री तृप्ति सेन शामिल थे। इस दौरान हेलमेट एवं सीट बेल्ट की अनिवार्यता, सुरक्षित वाहन संचालन, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के दुष्परिणाम, तथा सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई। विशेष रूप से बताया गया कि बच्चों की गलती से वाहन चलाने की स्थिति में माता-पिता को जेल, जुर्माना अथवा कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि साइकिल चलाते समय भी हेलमेट पहनना सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है।

सुरक्षा नियमों का पालन ही जीवन की सच्ची सुरक्षा है

कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों एवं वाहन चालकों के लिए अलग-अलग स्तर पर मार्गदर्शन दिया गया तथा सभी के संशयों का समाधान किया गया। छात्रों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने, सड़क पार करते समय सावधानी बरतने एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य, समस्त शिक्षकगण, विद्यालय चालकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन ने यातायात पुलिस टीम का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम का उद्देश्य सभी को यह संदेश देना रहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन ही जीवन की सच्ची सुरक्षा है।

धान खरीदी में पारदर्शिता के लिए प्रशासन सख्त, लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई

कलेक्टर ने ली राइस मिलर्स की बैठक

मुंगेली(समय दर्शन)। धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी, सुचारु एवं समयबद्ध बनाने के लिए जिला प्रशासन पूरी गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आज जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभा कक्ष में जिले के राइस मिलर्स की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि धान परिवहन में उपयोग होने वाले सभी वाहनों की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए तथा प्रत्येक वाहन में जीपीएस सिस्टम अनिवार्य रूप से लगाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी राइस मिलों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

कलेक्टर ने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर धान खरीदी पूर्ण करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए मिलर्स धान उठाव कार्य में तेजी लाएं तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि धान खरीदी एवं कस्टम मिलिंग में गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित राइस मिलर्स के खिलाफसख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने कहा कि बिना जीपीएस युक्त वाहनों से धान परिवहन की अनुमति नहीं दी जाएगी। राइस मिल परिसरों में सीसीटीवी के माध्यम से सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अवैध कस्टम मिलिंग, ओवरलोडिंग एवं रीसाइक्लिंग में संलिप्त राइस मिलर्स के विरुद्ध जांच प्रतिवेदन के आधार पर कठोर कार्रवाई करने की बात कही। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों ने राइस मिलर्स को शासन के निर्देशों का अक्षरश: पालन करने तथा धान खरीदी प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग करने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन ने दोहराया कि किसानों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और उनके एक-एक दाने की खरीदी पारदर्शी तरीके से की जाएगी। किसी भी प्रकार की अनियमितता, फर्जीवाड़ा या लापरवाही पर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, अपर कलेक्टर जी.एल.यादव सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26